दैनिक
भास्कर दूत
नज़र हर ख़बर पर
दिल में छत्तीसगढ़
रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित
डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24
web- www. bhaskardoot.com

भाजपा सरकार किसानों से धान नहीं खरीदने का षडयंत्र कर रही है- विक्रम मंडावी

-: सुविचार :-

'अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपके भीतर समर्पण का भाव होना चाहिए।'

◆ वर्ष-11 ◆ अंक - 315 रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित ◆ RNI-CHHHIN/2014/55697 ◆ रायपुर, रविवार 01 दिसंबर 2024 ◆ पृष्ठ-8 ◆ मूल्य - 02 रुपये

हमर छत्तीसगढ़

पृष्ठ संयोजन
- अरविंद मिश्र रायपुर

छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में सन् 1741 ई. परिवर्तन का काल माना जाता है

भास्कर पंत थे भोंसला शासक के सेनापति। नागपुर के भोंसला। भास्कर पंत ने जब रतनपुर राज्य पर आक्रमण किया, उस समय रघुनाथसिंह रतनपुर के शासक थे। वे 60 वर्ष के थे और इकलौते बेटे की मृत्यु होने के कारण बहुत ही पीड़ित थे। युद्ध करने की मानसिक स्थिति नहीं थी उनकी और उन्होंने आत्मसमपंण कर दिया।

सन् 1741 से सन् 1758 तक मोहन सिंह नाम के एक व्यक्ति को नया शासक नियुक्त किया गया। उसकी जब मृत्यु हो गई, तब भोंसला ने वहाँ अपना शासन स्थापित किया। प्रत्यक्ष शासन जिसे कहेंगे हम और इस प्रकार छत्तीसगढ़ का पहला मराठा शासक बिम्बाजी भोंसला हुआ। ये थी रतनपुर की कहानी। रायपुर शाखा में उस वक्त अमरसिंह, हैदय वंश के शासन कर रहे थे। उनको राजिम रायपुर और पाटन के परगने देकर मराठा उनसे 7000 रु हर वर्ष लेने लगे। अमरसिंह की मृत्यु के बाद उसका बेटा शिवराजसिंह जब राजा बना भोंसले ने उसकी जागीरें छीनकर उसे पाँच गाँव देकर सन् 1757 में रायपुर में अपना प्रत्यक्ष शासन स्थापित किया।

यह नया शासनकाल सन् 1854 तक चलता रहा ।

बिम्बोजी भोंसला के शासनकाल में रायपुर और रतनपुर में संगीत एवं साहित्य का विकास हुआ। भवन-निर्माण हुआ, रायपुर का दूधाधारी मंदिर उनके सहयोग से बना था। रतनपुर की रामटेकरी पर एक राम मन्दिर का निर्माण करवाया। शायद इसीलिए वे अत्यन्त लोकप्रिय हो गये और यहाँ की राजनीति में जो परिवर्तन लाया गया, उसे लोगों ने चुपचाप स्वीकार कर लिया। बिम्बोजी भोंसला ने रतनपुर और रायपुर को प्रशासनिक दृष्टि से एक राज्य बनाकर उसे छत्तीसगढ़ राज्य की संज्ञा प्रदान की।

मराठी संस्कृति के कुछ चीजें छत्तीसगढ़ में भी प्रचलित हो गई - जैसे विजया दशमी पर्व पर 'सोने का पत्र' देना।

छत्तीसगढ़ में मराठी मोड़ी और उर्दू भाषा का प्रयोग भी बिम्बोजी भोंसला ने करवाया। इसी कारण छत्तीसगढ़ में मराठी बोलने वालों की सँख्या अभी भी काफी है। उर्दू भाषा समझने वाले लोग काफी सँख्या में है।

रतनपुर राज्य का प्राचीन वैभव धीरे-धीरे खत्म हो रहा था। बिम्बोजी भोंसला की मृत्यु के बाद जब व्यंकोजी राजा बने, तो उन्होंने नागपुर से ही छत्तीसगढ़ का शासन चलाने का निश्चय किया। इससे पहले छत्तीसगढ़ की राजधानी रतनपुर में रहकर ही शासन किया जा रहा था। धीरे-धीरे नागपुर बन गया छत्तीसगढ़ की राजनैतिक गतिविधियों का केन्द्र। रतनपुर का राजनीतिक परिचय भी धीरे-धीरे समाप्त हो गया।

छत्तीसगढ़ के शासन को इस नये भोंसला राजकुमार ने सूबेदार के माध्यम से चलाने लगे। इसी तरह छत्तीसगढ़ में सूबेदार की परम्परा शुरु हुई - सूबा-सरकार। रतनपुर था सूबेदार का मुख्यालय और पूरे क्षेत्र का शासन यहीं से संचालित होता था।

यह प्रणाली सन् 1787 से 1818 ई. तक चलती रही।

एक यूरोपीय यात्री कैप्टन ब्लंट 1795 में रतनपुर और रायपुर में आये थे। उनका कहना था कि रतनपुर एक बिखरता हुआ गाँव प्रतीत हुआ जहाँ लगभग एक हज़ार झोंपड़ियाँ थी - (अरली यूरोपियन ट्रेवला, पृ. 120)। इससे पता चलता है कि रतनपुर के विकास की ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रहा था। रायपुर के बारे में लिखते हैं कैप्टन ब्लंट कि रायपुर एक बड़ा शहर प्रतीत हुआ जहाँ लगभग तीन हज़ार मकान थे। ऐसा लगता है कि रायपुर बहुत पहले से ही एक बड़ा शहर था और इसीलिये शायद अँग्रेजों ने रायपुर को छत्तीसगढ़ की राजधानी बनाया।

छत्तीसगढ़ में सुबा-सरकार स्थापित कर मराठा शासक उसके माध्यम से धन वसूल कर नागपुर भेजा करते थे । छत्तीसगढ़ के हिन के लिए शासन की स्थापना नहीं हुई थी।एक और तरीका था जिसके माध्यम से मराठा शासक किसानों को सरकार पर आश्रित रखते थे - पैसों के स्थान पर कर के रुप में किसानों से अनाज लिया जाता था। अनाज की बिक्री की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। छत्तीसगढ़ का अनाज नागपुर भेजा जाता था। पर यातायात की कठिनाई के लिए दूसरी जगह ले जाने में बहुत ज्यादा खर्च होता था। किसान जब अपने गाँव में ही अनाज बेचते तो उन्हें उचित मूल्य भी नहीं मिलती। सूबा शासन के दौरान छत्तीसगढ़ में लोग कठिनाईयों से परेशान हो गये।

अंकोजी भोंसला के बाद रघुजी द्वितीय अप्पा साहब - ऐसा कहा गया ऐतिहासिकों द्वारा कि - कभी भी जन शिक्षा और सुरक्षा की जरुरतों की ओर ध्यान नहीं दिया। उनकी मूल प्रवृत्ति सैनिक थी। असल में वे हमेशा युद्धों में फँसे रहते थे और इसीलिये जनता के बारे में सोचने के लिए जो वक्त चाहिये, वह उनके पास नहीं था।

छत्तीसगढ़ी के ज्यादातर लोगों की जीविका का आधार कृषि था। प्रमुख उपज - चावल, गेहूँ, चना, कोदो, दाल पर अनाज की बिक्री का कोई सही व्यवस्था न होने के कारण किसानों को बहुत ही कष्ट का सामना करना पड़ता था पर किसानों को अपनी मजबूरी के कारण ही एक जगह से दूसरे जाना पड़ता था। और एक समस्या थी कि यहाँ के कृषक बहुत जल्दी एक स्थान को छोड़कर दूसरे स्थान को चले जाते थे। इसी कारण कृषि योग्य भूमि का समुचित विकास नहीं हो सका। और एक समस्या जो आज भी हर गाँव में किसानो को सामना करना पड़ता है - वह है साहुकारों से ऋण लेने के लिए किसान को अपनी जायदाद गिरवी में रखनी पड़ती थी। इसीलिए बहुत जल्दी उनकी ज़मीन बेदखल हो जाती थी।

भौगोलिक सीमा की दृष्टि से अगर देखा जाये तो हम पाते हैं कि छत्तीसगढ़ चारों ओर पर्वतों से घिरा हुआ है। इसका मध्य भाग जो है वह है मैदानी। इसीलिये यहाँ प्रकृति के निकट रहने वाले की सँख्या को प्राकृतिक सुरक्षा प्राप्त है। छत्तीसगढ़ में नागरिक सभ्यतायें दिखती है और साथ-साथ आख्यक सभ्यतायें देखने का अवसर मिलता है। आरण्यक सभ्यताओं में हमें उदारता सहिष्णुता को देख कर - ताज्जुब होना पड़ता है। ये सभ्यताओं को कोई नष्ट नहीं कर पाये। ये एक खास बात है।

छत्तीसगढ़ में मराठा शासन के चार चरण

1. प्रत्यक्ष भोसले शासन (1758 - 1787)

नागपुर के भोसले शासक रघुजी प्रथम ने राजकुमार बिम्बाजी को छत्तीसगढ़ में शासक के रूप में नियुक्त किया और छत्तीसगढ़ में प्रत्यक्ष भोसले शासन की सुरुवात हुई। पूर्ण पढ़ें।

2. सूबा शासन (1787 - 1818)

भोसले शासक बिम्बाजी के मरणोपरांत छत्तीसगढ़ का शासन व्यंकोजी भोसले को राज्य प्राप्त हुआ। इन्होंने नागपुर में रहकर रतनपुर का शासन चलाने के लिए अपने प्रतिनिधि के रूप में सूबेदारों की नियुक्ति की और छत्तीसगढ़ में सूबा शासन (1787 - 1818) की सुरुवात की। व्यंकोजी भोसले के मरणोपरांत 1811 ई. में अप्पा साहब छत्तीसगढ़ के नए शासक नियुक्त किये गए। पूर्ण पढ़ें।

3. ब्रिटिश संरक्षण के अधीन शासन (1818 - 30)

4. पुन: भोसले शासन (1830 - 54)

व्यंकोजी भोसले को छत्तीसगढ़ में सुब प्रशासन के जनक माना जाता है।

ब्रिटिश शासन के अधीन मराठा शासन (1818 ई. - 1830 ई.)

तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध में मराठे पराजित हुए। मराठा उत्तराधिकारी रघुजी तृतीय के अल्प वयस्क होने के कारण इस क्षेत्र के प्रशासन हेतु ब्रिटिश अधीक्षकों की नियुक्ति की गई।

1800 ई. में रघुजी तृतीय को अंग्रेजों ने शासन सौंप दिया। रघुजी तृतीय की कोई संतान न होने की वजह से 1854 ई. में डलहौजी ने हड़प नीति के द्वारा मराठा शासन का विलय ब्रिटिश साम्राज्य मेंकरदिया।

छत्तीसगढ़ में मराठा शासन

छत्तीसगढ़ में मराठा शासन 1741 ई. से 1854 ई. तक था। 1741 ई. में नागपुर के भोसले शासक के सेनापति भास्कर पंत ने छत्तीसगढ़ के रतनपुर एवं रायपुर से कलचुरि शासन समाप्त कर मराठा साम्राज्य में मिला लिया। मराठो का प्रत्यछ शासन 1758 ई. से स्थापित हुआ। और बिम्बाजी भोसले ने रतनपुर के प्राचीन राजमहल में प्रवेश कर छत्तीसगढ़ के शासन की बागडोर अपने हाथो में सम्भाली। मराठा शासन 1854 ई. में डलहौजी ने हड़प नीति के द्वारा मराठा शासन का विलय ब्रिटिश साम्राज्य मेंकरदिया।

छत्तीसगढ़ में प्रत्यक्ष भोसले शासन (बिम्बाजी 1757 - 1787)

छत्तीसगढ़ में प्रत्यक्ष भोसले (मराठा) शासन 1758 से हुआ। छत्तीसगढ़ में अंतिम कल्चुरी शासक शिवराज सिंह थे। जिन्होंने मराठो के अधीन शासन किया। इनके बाद बिम्बाजी भोसले ने छत्तीसगढ़ में प्रत्यक्ष मराठा शासन की सुरुवात की।

छत्तीसगढ़ में मराठा शासन

बिम्बाजी भोसले-

- *इन्होंने नागपुर के सहायक के रूप में शासन किया।*
- *रायपुर तथा रतनपुर का एकीकरण किया।*
- *परगना पद्धति की सुरुवात की*
- *राजनांदगांव तथा खुज्जी जमींदारी प्रारम्भ की*
- *रतनपुर में नियमित न्यायालय की स्थापना की।*
- *इन्होंने 1775 में चागबखार रियासत पर आक्रमण कर टकोली देने पर बाध्य किया तथा कोरवा जमींदार के विरोध की वजह से जमींदारी जब्त की। खैरागढ़ के जमींदार ने भी टकोली का विरोध किया जिसके लिए उन्हें दण्डित किया गया। खैरागढ़ पर 1768 में बिम्बाजी ने फिर 1784 में भास्करपंथ ने आक्रमण किया।*
- *राजस्व पद्धति आरम्भ की परंतु राजस्व का हिस्सा नागपुर नहीं भेजते थे।*
- *विजयादशमी के पर्व में स्वर्ण पत्र देने की परंपरा सुरुवात की।*
- *रतनपुर के रामटेकरी में राम मंदिर का निर्माण कराया।*
- *रायपुर के बूढ़ा तालाब की नींव रखी। जिसे बाद में महीपतराव दिनकर ने पूरा बनवाया।*
- *उन्होंने मराठी, गोड़ी, उर्दू को प्रचलित किया।*
- *रायपुर के दूधाधारी मठ का पुन: निर्माण कराया*
- *बिम्बाजी की तीन पत्नियां थी। आनंदी बाई, उमा बाई, रमा बाई।*
- *1787 में बिम्बाजी की मृत्यु होने पर उमा बाई सती हुई।*
- *यूरोपीय यात्री कोलब्रुक के अनुसार इनका शासन लोककल्याणकारी था।*

अनकहा इतिहास

बिम्बाजी भोसले की समाधि और सती स्तम्भ

छत्तीसगढ़ में कभी मराठों का शासन था जो नागपुर से संचालित होता था। यह व्यवस्था 1758 में राजकुमार बिम्बाजी भोसले ने छत्तीसगढ़ में प्रत्यक्ष शासन द्वारा बदली। बिम्बाजी भोसले ने ही रतनपुर और रायपुर का एकीकरण किया और छत्तीसगढ़ पर सामाजिक - सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप में स्थाई छाप छोड़ी। तत्कालीन इतिहासकारों ने इसके राज्यकाल को कल्याणकारी बताया है। छत्तीसगढ़ के इस महत्वपूर्ण शासक की मृत्यु और उससे जुड़ी घटना से ज्यादा लोगों का परिचय नही है।

छत्तीसगढ़ में सबसे छोटी जमींदारी है नर्रा। वर्तमान में यह ओडिशा से सीमा से लगा हुआ एक छोटा सा गांव है जो रायपुर से 120 किमी की दूरी पर स्थित है। इस क्षेत्र का 15 वर्षों से अध्ययन कर एक महत्वपूर्ण किताब सुअरमार गढ़ का इतिहास लिखने वाले विजय शर्मा बताते हैं कि अपने शासनकाल में 1787 में बिम्बाजी भोसले यहीं नर्रा में आकर रुका हुआ था। उसके साथ उसकी तीन में से दूसरी पत्नी उमादेवी भी थी। यहां से 80 किमी उत्तर में पाइकमल के पास सम्भवत: किसी विद्रोह को दबाने वह गया था जहां संघर्ष में उसे जहर लगा तीर लग गया। घायल बिम्बाजी को नर्रा लाया गया।

उपचार के बाद भी वह नही बच सका और उसका अंतिम संस्कार रायपुर, रतनपुर या नागपुर ले जाने के बजाय वहीं नर्रा में कर दिया और इस बाबत एक चिट्ठी नागपुर लिखकर भेजी गयी। बताया जाता है कि यह चिट्ठी अभी पुणे संग्रहालय में है। अंतिम संस्कार किसी भूषण पंडित ने करवाया था और यह चिट्ठी भी उसी ने लिखी थी। आज नर्रा में बिम्बाजी भोसले की यह समाधि 15 फ़ीट की लंबाई चौड़ाई का ध्वस्त स्मारक है। इस समाधि पर बिम्बाजी भोसले की तलवार को उल्टा करके गाड़ा गया है जिसकी पीतल की मूठ दिखाई देती है।

इस घटना में एक घटना यह भी है कि यहां उसकी पत्नी उमादेवी भी उसके साथ सती हो गयी थी ! नर्रा में गड़ा सती स्तम्भ उसका प्रमाण है। छत्तीसगढ़ में सती होने के और उदाहरण कबके हैं, यह अभी मैं खोज ही रहा हूँ। विज्ञजनों से अपेक्षा है कि वे इसपर प्रकाश डालें। पुरावेत्ता राहुल कुमार सिंह बताते हैं कि सती स्तम्भ का प्रमुख लक्षण स्तम्भ के ऊपरी भाग में चूड़ी भरे स्त्री का हाथ और आजू बाजू चांद और सूरज का अंकन होना है। यह चित्रांकन इस भाव को अभिव्यक्त करता है कि % तुम्हारी कीर्ति जब तक सूरज चांद रहेंगे, तब तक अक्षुण्ण रहेगी%। नर्रा का यह सती स्तम्भ बीच चौक में बने सार्वजनिक भवन के किनारे लगा हुआ है जिसका डेढ़ फीट हिस्सा ही ऊपर दिख रहा है।

इतिहास

रतनपुर - 1741 ई. तक छत्तीसगढ़ में कलचुरि शासन पतन के कगार पर पहुँच चुका था। रतनपुर के शासक रघुनाथ सिंह वृद्धावस्था में थे, एवं अपने एक मात्र पुत्र के मृत्यु के शोक में डूबे हुए थे। ऐसी स्थिति का फायदा उठाकर नागपुर के भोसले शासक के सेनापति भास्कर पंत ने रतनपुर राज्य पर हमला करदिया और रघुनाथ सिंह ने आत्मसमर्पण करदिया। भास्कर पंत ने रतनपुर के निवासियों पर 1 लाख रूपये का जुर्माना लगाया एवं राजकोष का धन लूटा। इसके बाद रघुनाथ सिंह ने मराठो के अधीन शासन चलाया। रघुनाथ सिंह के बाद मोहन सिंह (1745 ई. - 1758 ई.) को शासक नियुक्त किया गया।

रायपुर - 1741 ई. सेनापति भास्कर पंत ने रायपुर पर आक्रमण किया। इस समय यहाँ अमर सिंह का शासन था। 1750 ई. में मराठो ने आजीविका के लिए अमर सिंह को राजिम, रायपुर और पाटन परगने 7000 रुपये के बदले प्रदान कर शासन से अलग कर दिया 1753 ई. में अमर सिंह की मृत्यु के बाद उनका पुत्र शिवराज सिंह उत्तराधिकारी बना परंतु 1757 ई. में भोसले ने जगीरो को छीन लिया और करमुक्त 5 गांव प्रदान किया।

अतिथि संपादक

सुनील बघेल

A-1 डोर
केबिन, स्लाडिंग, पार्टिशन, वुडन डोर, पाइन डोर, एलश डोर, मेम्बरन डोर, लमीनेशन डोर, पाइन जाली पले
नोट- हमारे यहाँ सभी प्रकार के दरवाजे एवं एल्युमिनियम विण्डो का दर्क उचित दरों पर किया जाता है।
एलाई, माईका एवं प्लाई संबंधित हार्डवेयर उपलब्ध हैं
पता - ग्रीन सिटी के सामने नव जीवन हास्पिटल के बाजू में डोंगरगांव रोड, राजनांदगाव (छ.ग.)
मो.नं. 9827991631, 8815102316

नगर निगम के नियमों का उल्लंघन करने वाले अब ई-चालान के दायरे में

भास्कर दूत

रायपुर। नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 से ई-चालान सिस्टम का विद्विवत शुरूआत किया गया। शहर में गंदगी फैलाने वाले लोगों और निर्माण कार्य के नियमों के उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जाती रही है।

यह चालानी कार्यवाही दुकानदारों, होटल, रेस्टोरेंट, बाजारों में गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों, कचरा को एकत्रित न कर इधर-उधर फेंकने वालों, गिला-सूखा कचरा अलग-अलग न करने वालों, खाली भूखंडों में कचरा फेंकने और उसे जलाने वालों, खुले स्थान पर शौच और पेशाब करने वालों पर नगर निगम के स्वास्थ विभाग द्वारा जुर्माना लगाया जाता रहा है।

इसके साथ-साथ कंस्ट्रक्शन वेस्ट (छ×छ) फैलाने, मकान निर्माण के दौरान सड़क पर निर्माण सामग्री रखने वालों, निर्माण में नियमों का उल्लंघन करने वालों तथा ग्रीन नेट न लगाने वालों पर नियमानुसार चालान की कार्यवाही निगम की नगर निवेश विभाग द्वारा जुर्माना लगाया जाता था। नगर निगम के इस चलानी कार्यवाही में मौके पर भुगतान राशि को किसी कारण से न भुगतान कर पाने की स्थिति अथवा संपत्तिधारक के अनुपस्थिति में चलानी कार्यवाही में बाधा आती थी जिससे कई बार कार्यवाही को रोकना भी पड़ जाता था।

ऑनलाइन ई-चालान सिस्टम में न केवल नगर निवेश और स्वास्थ्य की टीम बल्कि निगम के सभी कर्मचारी अधिकारी को जोड़ा गया है जो कहीं और कभी भी इन नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर ही चालानी कार्यवाही कर सकते हैं। इसके लिए निगम के अधिकारी और कर्मचारियों को ई-चालान सिस्टम हेतु तैयार मोबाइल एप्लीकेशन में खुद का रजिस्ट्रेशन करना होगा। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर फोटो लेकर, स्थल का जियो टैगिंग करते हुए ई-चालान की कार्रवाई करेंगे। इसके साथ ही जुर्माने राशि की गणना नियमानुसार सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा। इस दौरान मौके पर भुगतान की सुविधा नागरिकों को दी जाएगी। नागरिक पॉस मशीन से कैश अथवा यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन चालान का भुगतान कर सकते हैं। यदि भुगतान मौके पर नहीं किया जाता है तो संबंधित संपत्ति के आईडी पर बकाया के रूप में चालान की राशि ऑनलाइन एसएमएस और ईमेल के माध्यम से भेजी जाएगी। ऑनलाइन चालान में चालान की राशि का ब्यौरा और पेमेंट लिंक दर्ज रहेगा। ई-चालान सिस्टम के द्वारा अधिरोपित जुर्माना राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर भविष्य में उस जुर्माना राशि को बकाए के साथ जोड़ा जा सकता है। चार्ट बॉट के माध्यम से भी बकाया की जानकारी संपत्ति धारक को भेजी जाएगी और नियमानुसार बकाये की वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

आज नगर पालिका निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 से ई-चालान सिस्टम को लॉन्च करते हुए कुल 6 चालानी कार्यवाही की गई जिसमे से 2 गन्दगी फ़ैलाने वालों से एवं 4 भवन निर्माण सामग्री रखने वालों एवं निर्माण में नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कुल 16,100 रूपये जुर्माने की राशि अधिरोपित की गई एवं मौके पर ही 7100 रूपये जुर्माने की राशि पॉस मशीन के द्वारा डिजिटल पेमेंट के रूप में प्राप्त किया गया।

मुनि सुधाकर ने रायपुर से किया विहार, आचार्य महाश्रमण के इंगितानुसार पदयात्रा जारी

भास्कर दूत

रायपुर। जैन तेरापंथ धर्म संघ के मुनि सुधाकर एवं मुनि नरेश कुमार ने आचार्य महाश्रमण के इंगितानुसार रायपुर प्रवास संपन्न कर 28 नवंबर 2024, को रायपुर से मध्यप्रदेश की ओर पद विहार किया. इस दौरान मुनिश्री ने करीब 8 किलोमीटर की यात्रा कर बाना ग्राम में पदार्पण किया. रायपुर के उनके अंतिम प्रवास अवसर पर रायपुर के श्रावक-श्राविकाओं ने प्रात: उनसे मंगल पाठ का श्रवण किया व उनके संयम जीवन के प्रति आध्यात्मिक मंगलकामना की. पद विहार में तेरापंथ युवक परिषद्, रायपुर के विशेष रूप से वीरेंद्र डागा, किशोर खाटेड़, पकंज पारख, गौरव दुगड़, रिशव जैन, मनीष फलोदिया, विकास बरलोटा आदि उपस्थित रहे.

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री का ऐलान

रायपुर रेलवे स्टेशन को मिलेगा एयरपोर्ट जैसा नया रूप

भास्कर दूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना आज शुक्रवार को रायपुर पहुंचे। उन्होंने यहां मीडिया से बातचीत में एक बड़ा ऐलान किया कि साल 2027 तक रायपुर रेलवे स्टेशन को एक नया और मॉडर्न रूप दिया जाएगा।

इस नए रूप में रायपुर रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए एक बड़ी योजना बनाई जा रही है। इसके तहत रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर के रेलवे स्टेशनों को मॉडल स्टेशनों के रूप में विकसित किया जाएगा। इन स्टेशनों में यात्रियों के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि उनका सफर अधिक आरामदायक और सुविधाजनक हो।

रेलवे अधिकारी पूरी मेहनत के साथ जुटे

रेल राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि इन विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करने के लिए रेलवे अधिकारी पूरी मेहनत कर रहे हैं। उनका उद्देश्य है कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के रेलवे स्टेशनों का रूप पूरी तरह से बदल जाए और यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलें। रायपुर में इस घोषणा के बाद रेलवे बोगी सैलून में बैठकर कोरबा के लिए यात्रा शुरू की। कोरबा में वह रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन यानी 30 नवंबर को शहर में आयोजित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इससे पहले 28 नवंबर को रेल राज्य मंत्री का रायपुर दौरा रद्द हो गया था, लेकिन आज उनका शेड्यूल फिर से तय किया गया।

सालों से जमे पुलिसवालों के तबादले

4 सब इंस्पेक्टर और 12 पुलिसकर्मी दूसरे जिलों में भेजे गए

भास्कर दूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अपराधों पर नियंत्रण पाने की दिशा में पुलिस अनेक कदम उठा रही है। इन्हीं में से एक है, सालों से एक ही जगह पर जमे पुलिसकर्मियों के तबादले करना। इसी कड़ी में रायपुर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा ने चार उप निरीक्षकों समेत 12 पुलिस कर्मियों का तबादला दूसरे जिलों में कर दिया है। रायपुर रेंज पुलिस स्थापना बोर्ड ने इस पर मुहर लगा दी है। जिन पुलिसकर्मियों का तबादला किया गया है, उनमें से कुछ के खिलाफ आईजी को शिकायतें भी मिली थीं। जारी आदेश में लिखा है कि, रेंज स्थापना बोर्ड रायपुर रेंज, रायपुर के निर्णयानुसार निम्नलिखित अधि. कर्मचारियों को %प्रशासनिक आधार% पर उनके नाम के सम्मुख दर्शाये गये नवीन पदस्थापना इकाई में स्थानांतरित कर पदस्थ किया जाता है।

सार समाचार

कृषक उन्नति योजना

किसान की तरक्की के खुले द्वार, बच्चों की शिक्षा और भविष्य होने लगी सुरक्षित

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के किसानों की तरक्की की राहें आसान हुई है। आरंग ब्लॉक के अमोदी गांव के निवासी श्री करण मानिकपुरी कृषक परिवार से है। वे बताते हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार में किसानों को आर्थिक मजबूती मिल रही है और किसानों की तरक्की भी बहुत हो रही है। श्री मानिकपुरी बताते हैं कि कृषक उन्नति योजना के तहत राशि मिलने से बच्चों की भविष्य की चिंताएं दूर हो गई है। बच्चों को अच्छे स्कूल में अच्छी शिक्षा दे रहे है। साथ ही बच्चों को घर से स्कूल तक आने-जाने के लिए वाहन की सुविधा भी शुरू कराई है। बच्चों के भविष्य के लिए एलआईसी भी कराया गया है। इससे भविष्य उनका सुरक्षित हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार 3100 रूपए प्रति क्विंटल में धान खरीद रही है। इससे खेती को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है और फसल को सुरक्षित करने के लिए खेत में फेंसिंग भी जल्द करा सकेंगे। वे यह भी बताते हैं कि आने वाले समय में कृषक उन्नति योजना के तहत राशि मिलने पर खेत में बोर कराकर अधिक फसल का उत्पाद कर सकेंगे। श्री मानिकपुरी बताते हैं कि धान खरीदी केंद्र में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। टोकन की सुविधा भी आसान हुई है। इससे हम जैसे किसानों को बहुत ही फायदा मिल रहा है। इसके लिए श्री मानिकपुरी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया।

सास और बहू को मिल रहा महतारी वंदन योजना, राशि से बच्चों की पढ़ाई हुई आसान

रायपुर। महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक रूप से स्वालंबी बनाने के लिए यह योजना एक कारगर कदम सिद्ध हो रही है। प्रदेश के महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा इस योजना की शुरूवात की गयी है, इस योजना के आने से महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया है, इसके अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि प्रदान की जाती है। जिसे महिलाएं अपने आवश्यकतानुसार दैनिक जीवन में होने वाले खर्च में उपयोग कर रही है एवं उनके जीवन निर्वाह में यह योजना अत्यधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है।

रायपुर जिले के सेरीखेड़ी निवासी श्रीमती सुनीता टंडन योजना का लाभ लेकर अपना और बच्चों का भविष्य संवार रही है। श्रीमती टंडन बताती हैं कि जो अपने बच्चों के साथ बड़ी ही मुश्किल से आर्थिक परेशानी के साथ जीवन-यापन कर रही थी। उनकी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में बहुत परेशानी आ रही थी, लेकिन योजना के तहत राशि मिलने से बहुत ही कारगर साबित हो रहा है। श्रीमती टंडन बतातीं है कि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए कॉपी-किताब खरीदने में राशि खर्च हो जाते है। इसके अलावा अपनी छोटी-मोटी शौक को भी पूरा कर पाने में यह राशि मदद मिल रही है।

इसके अलावा सुनीता की सास श्रीमती रेशन टंडन को भी भी योजना के तहत प्रतिमाह राशि मिल रही है। वह राशि को छोटे-छोटे सामान खरीदने में भी खर्च कर पा रही है। इस योजना के लिए दोनों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया। दोनों कहती है कि मोदी की गारंटी थी कि महिलाओं को राशि दी जाएगी, उसके तहत प्रतिमाह खाते में राशि भी मिल रही है। इससे हमारा जीवन और भी बेहतर होगा।

विष्णु के सुशासन का हो रहा असर, एक फोन पर समस्या का हो रहा निराकरण

बीमार गाय का तत्काल करवाया इलाज

भास्कर दूत

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्या का निराकरण हो रहा है।

राजधानी के सुंदर नगर निवासी श्री संदीप शर्मा ने गाय बीमार होने की शिकायत की थी। उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर स्थित जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जहां से संबंधित विभाग को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद संबंधित विभाग के कर्मचारियों

ने तत्काल गाय का उपचार करवाया। जिसकी जानकारी श्री शर्मा को दी गई। जिसके बाद उन्होंनें प्रसन्ता जाहिर की साथ ही मुख्यमंत्री और कलेक्टर का आभार व्यक्त किया।

अस्पताल के बाहर खड़ी एक्टिवा पार

रायपुर । सुयश अस्पताल के पास खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सिद्धांत सोनवानी 20 वर्ष कसडोल का रहने वाला है। प्रार्थी ने सरस्वती नगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 11 बीडी 0647 को सुयश अस्पताल के सामने खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 49 गिरफ्तार

रायपुर । राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्र में सरेआम शराब पीते 49 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने कचना शराब दुकान के पास सरेआम शराब पीते आरोपी जगदीश जगत 26 वर्ष, लखन बघेल 24 वर्ष, साहिल पंजवानी 22 वर्ष, सुमीत नामवानी 24 वर्ष व गोपाल तांडी 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी संदीप कुमार सोम 38 वर्ष एवं गंज थाना पुलिस ने आरोपी पियूष शर्मा 28 वर्ष व पिंटू साहू 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

विष्णु के सुशासन का हो रहा असर, एक फोन पर समस्या का हो रहा निराकरण

दिव्यांग ने कॉल सेंटर में साइन लैंग्वेज से दर्ज कराई समस्या, बना निवास प्रमाण पत्र

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्या का निराकरण हो रहा है। जोन 5 वार्ड क्रमांक 67 चंगोराभाठा निवासी श्री सोमनाथ साहू ने निवास प्रमाण पत्र नहीं बनने को लेकर शिकायत की थी। वे मूक बधिर है, उन्होनें साइन लैंग्वेज में अपनी शिकायत दर्ज कराई। बता दें कि जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में ऐसे लोगों की शिकायत के लिए साइन लैंग्वेज वाले ट्रांसलेटर को पदस्थ किया गया है। लेकिन इसके बाद भी उनका निवास प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है। जिसके बाद वे कलेक्टोरेट के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में गए। जहां से संबंधित विभाग को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद संबंधित विभाग को प्रकरण की जानकारी दी गई। जिसके बाद तत्काल निवास प्रमाण पत्र बनाकर जारी कर दिया गया, जिसकी जानकारी श्री साहू को दी गई। जिसके बाद उन्होनें प्रसन्ता जाहिर की साथ ही मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

रायपुर में देर रात शरारती तत्वों ने लाइन से खाड़ी आठ गाड़ियों को एक के बाद एक किया आग के हवाले

भास्कर दूत

रायपुर। रायपुर में शरारती तत्वों ने रात के समय में आठ गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। अज्ञात लोगों ने आठ खाड़ी बाइक पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी। पूरा मामला आरडीए कॉलोनी बोरियाखुर्द की है, जहां बीती रात अज्ञात लोगों ने एक के बाद एक आठ गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, आगजनी में सात दोपहिया और एक ऑटोरिक्शा जलकर खाक हो गए। आग लगने से सभी गाड़ियां ब्लास्ट होने लगी। आवाज सुनकर कॉलोनी के लोग उठे और घटना स्थल पहुंचकर देखे। इस दौरान लगभग चार परिवारों के छह दोपहिया वाहन और एक ऑटो आग की चपेट में आ गया।

वहीं इस मामले में पीड़ित संतोष सिन्हा, डॉ. राजेंद्र साहू और नितिन सिंह ने मामले की शिकायत टिकरापारा थाना में की है। उनका आरोप है कि इस घटना को साज़िश के तहत अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि बीते शाम कॉलोनी में पीड़ितों का कुछ लोगों से विवाद हुआ था, जिसमें शिकायत न करने की धमकी भी मिली थी।

पीड़ित परिवारों का कहना है कि शाम की घटना के बाद ये देर रात घटना हुई है। मामले को लेकर टिकरापारा थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि बोरियाखुर्द में गाड़ियों में आग लगने की शिकायत मिली है। शिकायतकर्ताओं ने जान बूझकर घटना को अंजाम देने की आशंका जताई है। इस पूरे मामले की जांच जारी है।

रेत और मुरूम का अवैध परिवहन, खनिज विभाग ने पकड़ी 7 गाड़ियां

भास्कर दूत

रायपुर। अभनपुर. राजिम नवापारा क्षेत्र में अवैध रेत व मुरूम खनन और परिवहन का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है. इसकी सूचना पर रायपुर खनिज विभाग ने गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात एक बार फिर नवापारा से अवैध रेत और मुरुम परिवहन करते 7 गाड़ियों के विरुद्ध कार्रवाई की है.

सभी वाहनों को थाना गोबरा नवापारा परिसर में खड़ा कराया गया है. खनिज विभाग की टीम ने सुपरवाइजर सुनील दत्त शर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए गरियाबंद और धमतरी जिले से रेत लेकर अवैध परिवहन करते हुए रायपुर की ओर जा रहे 5 हाईवा वाहनों को नवापारा में पकड़कर कार्रवाई की. पकड़े गए हाईवा वाहन का नंबर छ्त्त22 ज्ञ9722, छ्त्त07 छ्श्व5688, छ्त्त07 क्क्क343, छ्त्त25 ख्ब501 और छ्त्त25 रू3396 है. वहीं अवैध मुरूम परिवहन करते हाईवा क्रमांक छ्त्त04 क्क्स3972 और छ्त्त04 क्क्स3971 को जब्त किया गया. सभी वाहनों को थाना गोबरा नवापारा परिसर में खड़ा कराया गया है.

दैनिक भास्कर दूत
हर ख़बर पर नज़र
दिल में छत्तीसगढ़
रायपुर, रविवार 01 दिसंबर 2024

महाराष्ट्र का सीएम तय, 5 दिसंबर को लेंगे शपथ

मुंबई । महाराष्ट्र में नया सीएम कौन होगा। यह तय कर लिया गया है। नये सीएम के नाम की घोषणा 2 दिसंबर को आयोजित विधायक दल की बैठक में की जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को होगा। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर आजाद मैदान में तैयारी शुरू कर दी गयी है।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। महाराष्ट्र की सियासत में मुख्यमंत्री के नाम के चयन को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। विधानसभा चुनाव में भाजपा यहा सबसे बड़े दल के रुप में उभरकर सामने आयी है किन्तु गठबंधन महायुति से था और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे थे।

ऐसे में यह बड़ा सवाल बना हुआ है कि एकनाथ शिंदे फिर मुख्यमंत्री बनाये जाएंगे या फिर उनकी जगह पर किसी दूसरे को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। अगर एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री नहीं बनते हैं तो उन्हें कौन सा पद दिया जाएगा। इन बिंदुओं पर हर कोई अपने तरीके से तर्क प्रस्तुत कर रहा है।

ईवीएम संबंधी आरोपों पर जवाब देगा आयोग

3 दिसंबर को कांग्रेस को बुलाया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणामों पर ईवीएम को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाई गई आपत्तियों को लेकर चुनाव आयोग ने 3 दिसंबर 2024 को कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए आमंत्रित किया है। आयोग ने कांग्रेस को आश्वासन दिया है कि उनकी ईवीएम समेत सभी वैध चिंताओं की गहन समीक्षा की जाएगी और उन्हें लिखित जवाब भी दिया जाएगा।

चुनाव आयोग ने अपने अंतरिम जवाब में कांग्रेस को सूचित किया कि मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और राजनीतिक दलों की भागीदारी के साथ संपन्न हुई है।

इसके साथ ही आयोग ने मतदान डाटा में किसी भी प्रकार की विसंगति से इनकार करते हुए कहा कि सभी मतदान केंद्रों के आंकड़े सत्यापित और उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध हैं।

कांग्रेस के अरोप, आयोग का जवाब

कांग्रेस का आरोप है कि जुलाई 2024 से नवंबर 2024 के बीच महाराष्ट्र में 47 लाख नए मतदाताओं को जोड़ा गया और मनमाने ढंग से मतदाता हटाए गए। पार्टी का कहना है कि इस प्रक्रिया से सत्तारूढ़ गठबंधन को अनुचित लाभ पहुंचा।

21 नवंबर को शाम 5 बजे तक राज्य का मतदान प्रतिशत 58.22त्न था, जो रात 11:30 बजे तक बढ़कर 65.02त्न और अंतिम रिपोर्ट में 66.05त्न हो गया। पार्टी ने इसे अप्रत्याशित बढ़ोतरी करार दिया।

शाम 5 से 6 बजे के बीच लगभग ईवीएम में 76 लाख वोट डाले गए, जो असामान्य है।

पीएम मोदी का हरियाणा दौरा

9 दिसंबर को पानीपत में करेंगे शिरकत, महिलाओं को देंगे ये खास तोहफा

चंडीगढ़। पीएम मोदी नौ दिसंबर को हरियाणा के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री पानीपत के सेक्टर 13-17 में आएंगे। यहां से पीएम बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे। उनके कार्यक्रम को लेकर पुलिस और प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी पानीपत से बीमा सखी योजना की शुरुआत करेंगे। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य देश की महिलाओं को स्वरोजगार देना है। इसके तहत महिलाएं अपने गांव या फिर अपने ग्रह स्थान पर रहकर भी काम कर सकेंगी। वहीं पीएम के कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है। खबरों की मानें, तो पीएम की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन अतिरिक्त सुरक्षा बल के लिए डीजीपी को पत्र लिखा है। जिसमें मधुबन, करनाल और सोनीपत से अतिरिक्त सुरक्षा बल की मांग की है। जिसके बाद तीनों शहरों से पुलिस फोर्स भेजी जाएगी।

इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान पार्किंग व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी अतिरिक्त बल तैनात किया जाएगा। वहीं अभी से ही पूरे क्षेत्र की ड्रोन से निगरानी की जा रही है और सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम भी पूरा हो गया है।

आरएसएस की मांग- चिन्मय दास की तत्काल हो रिहाई

बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए सरकार करे वैश्विक प्रयास

ढाका। बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण की गिरफ्तारी और हिंदुओ पर हो रहे अत्याचार को लेकर आरएसएस ने बयान जारी कर इसे अन्यायपूर्ण बताया है. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को तत्काल बंद करने तथा चिन्मय कृष्ण को रिहा करने की मांग की है. साथ ही भारत सरकार से भी बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में वैश्विक प्रयास करने का आव्हान किया है. राष्ट्रीय स्वंक सेवक संघ ने बांग्लादेश हिंदुओ के समर्थन में शनिवार को बयान जारी कर हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा की है. आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की चिंताजनक स्थिति है. हिंदुओं व अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा किए जा रहे हमले, लूट, आगजनी व महिलाओं के साथ किया जा रहा अमानवीय अत्याचार निंदनीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी भर्त्सना करता है. उन्होनें आगे कहा कि बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा अपनी आत्मरक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से उठाई जा रही आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, अत्याचार के विरोध में हिंदुओं द्वारा उठाई जा रही आवाज का कुचलने का प्रयास किया गया. शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे इस्कान प्रमुख चिन्मय कृष्ण का देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजना अन्यायपूर्ण है. बांग्लादेश सरकार तथा एंजेसिया इसे रोकने के जगह मूकदर्शक बनी हुई है. आरएसएस ने इसे अन्याय और अत्याचार का नया उभरता हुआ दौर बताया है.

भारत सरकार से वैश्विक प्रयास करने की मांग

आरएसएस ने बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अन्याय और अत्याचार को तत्काल बंद करने तथा हिंदु साधु चिन्मय कृष्ण की तत्काल रिहाई की मांग की है. भारत सरकार से भी इस मामलें पर यथा शीघ्र वैश्विक प्रयास करने आव्हान किया है वही चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई के लिए यथासंभव प्रयास करने उचित कदम उठाने की अपील की है।

25 नवंबर को बांग्लादेश में चटगांव के पुंडरीक इस्कान धाम के अध्यक्ष चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश की सुरक्षा एंजेसियों ने गिरफ्तार किया था और देशद्रोह के आरोप में जेल भेज दिया गया है. उनकी गिरफ्तारी ऐसे समय में की गई जब चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार और प्रर्दशनकारियों द्वारा मंदिरो का बनाए जा रहे निशाने को लेकर हिंदुओं को एकजुट होने की बात का ऐलान किया था. उनकी गिरफ्तारी के बाद समर्थक सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन कर रहे है. बांग्लादेश में इस्कान के करीब 70 अधिक जगहों पर मंदिर है. इनसे जुड़े करीब 50 हजार से ज्यादा लोग जुड़े हुए है, जो अब चिन्मय कृष्ण की गिरफ्तारी के विरोध में वहां के हर जिलों पर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन कर रहे है।

भाजपा के 60 लाख मेंबर पूरे

टारगेट पूरा होने पर गुब्बारे उड़ाकर जताया हर्ष

भास्कर दूत

रायपुर। भाजपा संगठन महापर्व कार्यशाला में शामिल होने छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन आज शनिवार को रायपुर पहुंचे। इस दौरान बीजेपी प्रदेश कार्यालय डूमरतराई में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा सहित कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

प्रदेश में बीजेपी के 60 लाख सदस्यता लक्ष्य पूरा होने पर पार्टी नेताओं ने आकाश में गुब्बारे उड़ाकर हर्ष जताया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय सदस्यता सहप्रभारी नरेश बंसल,पर्यवेक्षक गजेंद्र पटेल, सदस्यता प्रभारी अनुराग सिंहदेव आदि मौजूद रहे।

बता दें कि भाजपा संगठन महापर्व कार्यशाला 30 नवंबर और कल यानी 1 दिसंबर को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई है। इसमें शामिल होने बीजेपी प्रदेश प्रभारी रायपुर पहुंचे हैं। पार्टी प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा ने बताया कि 30 नवंबर और 1 दिसंबर को नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर भाजपा की सम्भागस्तरीय बैठकें आहूत की गई हैं। इन बैठकों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव, नरेश बंसल राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी ,गजेंद्र पटेल चुनाव पर्यवेक्षक ,उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय व वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में 30 नवंबर को दोपहर साढ़े तीन बजे बिलासपुर, सरगुजा एवं बस्तर संभाग की की बैठकें होंगी। 1 दिसंबर को सुबह 11 बजे रायपुर एवं दुर्ग संभाग की आवश्यक बैठक आहूत की गई है। बैठक में प्रदेश कोर ग्रुप, भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी व कार्य समिति सदस्य, मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, सांसद (लोकसभा व राज्यसभा), विधायकगण, प्रदेश भाजपा पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, सह प्रभारी, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, जिला अध्यक्ष भाजपा, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री, प्रकोष्ठों के संयोजक, नगर निगम महापौर, नेता प्रतिपक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष शिरकत करेंगे।

छत्तीसगढ़ को मिले 3 नए IAS अफसर

केंद्रीय कार्मिक विभाग ने 2024 बैच के 180 अफसरों को बांटे कैडर

रायपुर। छत्तीसगढ़ को साल 2024 में तीन आईएएस अफसर मिले हैं। ये तीनों अफसर छत्तीसगढ़ के नहीं बल्कि, अन्य राज्यों के हैं। केंद्रीय कार्मिक प्रशिक्षण मंत्रालय ने 2024 बैच के आईएएस को कैडर एलॉट कर दिया है। 2024 बैच के 180 आईएएस को कैडर एलॉट हुआ है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय के द्वारा एलॉटमेंट लिस्ट जारी करने के बाद संबंधित राज्य सरकारें इन आईएएस अधिकारियों की पोस्टिंग करेंगी।

छत्तीसगढ़ को मिले ये तीन IAS

यूपीएससी में 75 वां रैंक लाने वाले अक्षय दोशी को छत्तीसगढ़ कैडर मिला है। अक्षय पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। वे जनरल केटेगरी से आते हैं। उनके अलावा 238 रैंक पर आने वाले विपिन दुबे को भी छत्तीसगढ़ कैडर एलॉट हुआ है। विपिन जनरल कैटेगिरी से आते है। वे उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। महाराष्ट्र के रहने वाले क्षितिज गुरभेले ने 441 वीं रैंक प्राप्त की थी, वे एससी कैटेगिरी से आते हैं। उन्हें

फेंगल चक्रवात

रात में दस्तक देगा तूफान

चेन्नई एयरपोर्ट बंद, इंडिगो और एयर इंडिया की उड़ानें रद्द

चेन्नई। फेंगल चक्रवात शनिवार, (30 नवंबर) की रात पुडुचेरी और तमिलनाडु के तटों से टकराएगा।तमिलनाडु में चक्रवात फेंगल के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। चेन्नई एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से शाम 7 बजे तक बंद कर दिया गया है। भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते उड़ानों का संचालन ठप हो गया। एयर इंडिया और इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले अपनी उड़ानों की स्थिति की जांच करें। एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि अबू धाबी से चेन्नई आ रही इंडिगो की फ्लाइट को खराब मौसम के कारण बेंगलुरु डायवर्ट कर दिया गया।

महाबलीपुरम के पास होगा लैंडफॉल

चक्रवात महाबलीपुरम के पास होगा। मौसम विभाग (ने 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अलर्ट जारी किया है। साइक्लोन लैंडफैल के पहले तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश शुरू हो गई है। सरकार ने तीन दिन के लिए पूरे राज्य में स्कूल और कॉलेज बंद करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने शनिवार को राहत शिविरों में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

64 योगिनी माता मंदिर बनाने 64 गांव में भिक्षा मांगेंगे गुरुदेव वीरेंद्र देशमुख

संस्थान द्वारा अमृत आश्रय, मेंटल हॉस्पिटल, मुक बधिर आश्रम, इंटरनेशनल गुरुकुल भी संचालित किया जाएगा

भास्कर दूत

बालोद। मोक्ष धाम सेवा संस्थान ग्राम लिमोरा में निर्माणाधीन 64 योगिनी माता मंदिर के लिए संस्थान के लोग 64 गांवों में भिक्षा मांगेंगे। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। इसकी रूपरेखा बना ली गई है। संस्थान के प्रमुख नाड़ी वैद्य गुरुदेव बीरेंद्र देशमुख स्वयं गांव गांव में पहुंचकर मंदिर के लिए भिक्षा मांगेंगे। इस मंदिर की खासियत यह होगी कि यहां कोई भी दान पेटी नहीं रहेगी। जिन श्रद्धालुओं को सहयोग करना होगा वे यहां अनवरत चलने वाले भोजन भंडारा में या मंदिर निर्माण में दे सकते हैं। इसके अलावा संस्थान द्वारा अमृत आश्रय, मुक बधिर आश्रय, मेंटल हॉस्पिटल, इंटरनेशनल गुरुकुल भी संचालित होगा।

मोक्षधाम सेवा संस्थान ग्राम लिमोरा के प्रमुख गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख ने बताया कि लिमोरा में छत्तीसगढ़ के प्रथम चौसठ योगिनी माता मंदिर बनने जा रहा है। जो संभवत: भारत का पहला मंदिर होगा, जहां दान पेटी नहीं रहेगी। भगवान देता है लेता नहीं है, इस मंदिर के लिए भिक्षा मांगी जाएगी जिससे मंदिर में सभी का अंश लगेगा। इसके अलावा संस्था द्वारा जिले में मेंटल हॉस्पिटल भी बनाया जाएगा। जो माताएं बहने विक्षिप्त अवस्था में इधर-उधर घूमते रहते हैं उसे हमारी टीम द्वारा लाकर उसका इलाज करा कर उसे सुरक्षित उनके घर पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा अमृत आश्रय भी बनाया जाएगा। मुक बधिर आश्रम भी खुलेगा, इंटरनेशनल गुरुकुल भी यहां बनाया जाएगा जहां उर्दू भाषा को छोड़कर सभी भाषाओं में पढ़ाई कराई जाएगी। इस तरह के निर्माण पूरे छत्तीसगढ़ में कहीं पर भी नहीं है।

पत्रकार वार्ता में पूरी योजना की दी जानकारी

पत्रकार वार्ता में

अध्यक्ष दर्शन जैन गुण्डरदेही, मदन निषाद गुण्डरदेही, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र साहू राजनांदगांव, सचिव कुलेश्वर साहू गुण्डरदेही, सदस्य निजानंद चंद्राकर, सदस्य चिंताराम चंद्राकर लिमोरा, सदस्य नीलकंठ पटेल, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष शिवेंद्र कुमार साहू लिमोरा, ग्राम विकास समिति उपाध्यक्ष विनोद कुमार चंद्राकर आदि मौजूद रहे।

आध्यात्मिक दृष्टि से ऊर्जावान होगा मंदिर

संस्था के संस्थापक गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख ने बताया कि मंदिर को वास्तु दृष्टिकोण से ऐसा बनाया जा रहा है कि जो भी व्यक्ति यहां आएगा उसे अपने आप ऊर्जा मिलने की अनुभूति होगी। यहां पर सभी तरह की सुविधाएं होगी। मंदिर में कोई भी श्रद्धालु जाकर आराम से दर्शन कर सकते हैं। यहां कोई वीआईपी कल्चर नहीं होगा। इसके पीछे का कारण बताते हैं कि भगवान श्रद्धालुओं को बुलाता है और जब जब जिस किसी को वे बुलाते हैं वही व्यक्ति मंदिर तक पहुंच पाता है। ऐसे में वीआईपी कल्चर हम यहां नहीं रखेंगे।

दो से ढाई साल में बनकर हो जाएगा तैयार

पत्रकार वार्ता में गुरुदेव वीरेंद्र देशमुख ने बताया कि मंदिर का निर्माण बहुत तेज गति से किया जा रहा है, तीन माह हुए प्रारंभ और बहुत सारा बन चुका है अधिक से अधिक दो से ढाई वर्ष में यह मंदिर बनकर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा इसका कारण है कि दानदाता अब सामने आने लगे हैं और भिक्षाटन का कार्य भी हम शीघ्र प्रारंभ करने वाले हैं ऐसे में नहीं लगता कि इस मंदिर को पूरा करने में ज्यादा वक्त लगेगा।

ओडिशा व आंध्र प्रदेश से आए हैं कारीगर

गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख ने जानकारी दी की मंदिर का निर्माण उड़ीसा और आंध्र के कारीगरों की देखरेख में बन रहा है मंदिर को नक्काशी युक्त बनाया जाएगा ताकि दूर से ही मंदिर खूबसूरत दिखाई दे लगभग 8000 स्क्वायर फीट में या मंदिर बनेगा हालांकि मंदिर परिसर

सभा एकड़ का है लेकिन मंदिर का निर्माण 8000 स्क्वायर फीट में ही होगा मंदिर को भव्य बनाने की कोशिश की जा रही है।

प्रतिदिन चलेगा अनवरत भंडारा

गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख ने बताया कि मंदिर निर्माण के बाद यहां पर प्रतिदिन अनवरत भंडारा चलता रहेगा। जब भी श्रद्धालु जिस समय भी यहां पहुंचेंगे उन्हें भंडारे में भोजन उपलब्ध मिलेगा। यही नहीं यहां दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की भी व्यवस्था होगी। गुरुदेव ने आगे बताया कि जिले के किसी भी स्थल पर मेंटल हॉस्पिटल बनाएंगे, जहां विक्षिप्त अवस्था में घूम रहे लोगों को हमारे समिति के लोग ऐसे लोगों को लेकर के आएंगे और पूर्ण इलाज के बाद उन्हें उनके परिवार को सौंप देंगे। संस्था द्वारा अमृत आश्रम व मुखबधिर आश्रय भी बनाया जाएगा। जहां ऐसी पीड़ितों को लाकर रखेंगे और उसकी संपूर्ण इलाज करेंगे।

मंदिर में होगी काली माता, कामधेनु व 64 योगिनी माता की मूर्ति

गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख ने बताया कि इस मंदिर में काली माता व कामधेनु की मूर्ति भी लगाई जाएगी इसके अलावा मंदिर के चारों तरफ 64 योगिनी माता की मूर्ति भी रखी जाएगी। मंदिर की नक्काशी कुछ इस तरह की जा रही है कि यह दूर से ही स्पष्ट व आकर्षक दिखाई देगा। इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत लिमोरा द्वारा पूर्ण सहयोग मिल रहा है।

संपादकीय

धनपति का एजेंट बन धंधे दिलाने का राजधर्म

याद करें भारत में कौन सा राजा (सम्राट अशोक से लेकर पृथ्वीराज चौहान या मुस्लिम-अंग्रेज शासकों के कार्यकाल में), प्रधानमंत्री ऐसा हुआ, जिसने किसी उद्योगपति-व्यापारी की पैरोकारी को अपना राजधर्म बनाया? जवाब है कि ऐसा उदाहरण प्राचीन, मध्य और आधुनिक काल के किसी भी राजा, प्रधानमंत्री का नहीं है। क्यों? इसलिए क्योंकि राजनीति का उद्देश्य व कर्तव्य समाज के सभी वर्गों में संतुलन बनाने का है। राजा-प्रधानमंत्री कितना ही भ्रष्ट हुआ हो उसने किसी पर मेहरबान हो कर उसे लाइसेंस, कोटा दे कर क्रोनी पूंजीपति बनाया हो लेकिन राजा खुद धनपति का एजेंट बन कर उसे काम धंधे दिलाने को राजधर्म बनाए ऐसा एक भी उदाहरण भारत के इतिहास में नहीं है! आखिर राजा, राजा होता है, उसकी गरिमा पूरी नस्ल, कौम और देश की आन-बान-शान का प्रतीक होती है! चीन, रूस, अमेरिका, जापान आदि तमाम देशों की सरकारें देश की समृद्धि, व्यापार, वाणिज्य के लिए कूटनीति करती हैं, करार करती हैं, शी जिनफिंग, पुतिन जैसे तानाशाह शासक क्रोनी पूंजीपतियों का खेला भी बनाते हैं लेकिन क्या कभी सुना कि इनमें से किसी ने किसी चाइनीज या रूसी उद्योगपति की पैरोकारी को अपना राजधर्म बनाया है?

अमेरिका घोषित पूंजीवादी देश है लेकिन उसका प्राथमिक धर्म सबको बराबर के अवसर मुहैया कराने का है। पूरी दुनिया में अमेरिकी कंपनियों का दबदबा और धंधा है लेकिन कंपनियां, अमेरिकी खरबपति अपने बूते, अपनी तकनीक, अपने प्रोडक्ट, अपनी सर्विस, अपनी उद्यमशीलता और कॉरपोरेट कायदों-नियमों से बने हुए हैं। सच्ची प्रतिस्पर्धा में बिजनेस करते हैं। डोनाल?ड ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में अमेरिकी मोटरसाइकिल कंपनी हार्ले-डेविडसन को ले कर भारत पर दबाव बनाया था तो उसका आधार भारत-अमेरिकी व्यापार नीति में कस्टम ड्यूटी की असमानताओं के हवाले था न कि उस कंपनी की निज पैरोकारी थी। शी जिनफिंग हों या पुतिन, इनके इतने वर्षों के शासन में वहां के किसी भी एक ऐसे उद्योगपति का नाम नहीं है, जैसे भारत में नरेंद्र मोदी से गौतम अडानी का बना है! जिन कंपनियों और उद्योगपतियों को लेकर चर्चा थी कि चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी से फलां-फलां की किस्मत बनी उनमें एक भी शी जिनफिंग या पुतिन के माई बाप उद्योगपति के रूप में दुनिया में चर्चित नहीं है! उलटे कभी जो ऐसे नाम सुने भी गए वे या तो जेल में (हां, चाइनीज खरबपति) है या गुमनामी में चले गए हैं! क्यों? इसलिए क्योंकि राजा, राजा होता है वह कैसे भला किसी सेठ को अपनी व्यवस्था, शासन, राजधर्म का पर्याय बनने दे सकता है। मगर भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी को अपने राजधर्म में, जब तक सूरज-चांद रहेगा तब तक अडानी का राज चलेगा वाली जो परिघटना रची है वह विश्व के इतिहास में अनहोनी है। और यह भारत का वैश्विक कलंक है! अमेरिका, यूरोप और वैश्विक वित्तीय जगत में अडानी ग्रुप की आज बदनामी का सत्य अपनी जगह है लेकिन क्या विश्वास करेंगे कि अफ्रीका के केन्या में भारत को लेकर क्या नैरेटिव बना हुआ है? बतौर भारतीय मेरे और आपके, 140 करोड़ लोगों के वजूद में केन्या में सुनाई दिए इस वाक्य पर जरा गौर करें- भ्रष्ट भारतीय आखऱिकार यहां आ ही गए। मुझे भरोसा नहीं हो रहा है कि ये सब हो रहा है। हमारे राष्ट्रपति जो केन्या से बहुत मोहब्बत करते हैं, उन्होंने 30 साल के लिए एयरपोर्ट अडानी को दे दिया है। अडानी सुन लीजिए अगर 2027 में हम राष्ट्रपति चुने गए तो आपको यहां से भागना होगा। हम भ्रष्टाचार से नफ़रत करते हैं, इसलिए आपसे भी नफ़रत करते हैं।

उफ! यह भावना। तभी केन्या के राष्ट्रपति ने जब संसद में अडानी के ठेके को रद्द करने की घोषणा की तो सारे सांसदों ने खड़े हो कर ऐसे तालियां बजाई मानों कोई ऐतिहासिक काम हुआ हो, भ्रष्टाचार से आजादी मिली हो! क्या इसका यह मतलब नहीं है कि भारत अब भ्रष्टाचार एक्सपोर्ट कर रहा है! एक अदानी से दुनिया में भारतीय भ्रष्ट भारतीय' करार दिए जा रहे है!

और वैश्विक सुर्खियां है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी के धंधे को अपना राजधर्म बना रखा है। श्रीलंका हो, बांग्लादेश हो, ऑस्ट्रेलिया हो, अमेरिका हो या यूरोप और वैश्विक वित्तिय व्यवस्था में सर्वत्र गौतम अडानी की चर्चा है। उनके साथ उनके बतौर प्रमोटर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम है! और अडानी का अर्थ क्या? भ्रष्ट भारतीय आखिरकार यहां आ ही गए। संघ परिवार और भाजपा की बुद्धि भले न माने कि भ्रष्ट भारतीय' की वैश्विक चर्चा भारत की भी बदनामी है।

भारत-चीन का संबंध विश्व राजनीति के लिए खास महत्व

सेनाओं के बीच आमने-सामने तैनाती की सूरत खत्म हो गई है, इसलिए भारत सरकार की राय में बुनियादी मसला हल हो गया है और अब वक्त चीन से संबंध सामान्य करने का है। इसी नजरिए की झलक रियो में हुई वार्ता में मिली।

ब्राजील के रियो द जनेरो में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत का निष्कर्ष है कि दोनों देशों ने 2020 में लद्दाख सेक्टर में हुई घटनाओं को भूल कर अब आगे बढऩे का फैसला किया है।

खास कर भारत के नजरिए से यह महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि तब, जैसाकि मीडिया रिपोर्टों, स्थानीय नेताओं और यहां तक कि लद्दाख पुलिस की रिपोर्ट में बताया गया था, चीनी सेना एक बड़े दायरे में उन इलाकों तक घुस आई, जहां पहले भारत का नियंत्रण था।

इसी क्रम में गलवान की वारदात भी हुई थी। वैसे, भारत सरकार ने कभी नहीं माना कि चीनी सेना ने कोई घुसपैठ की है।

मोदी सरकार का घोषित रुख यही रहा है कि भारत ने उसके कार्यकाल में एक इंच भी जमीन नहीं गंवाई है। भारत सरकार की निगाह में मुद्दा सिर्फ यह था कि चीन ने अपनी फौजों को बिल्कुल सरहद पर ला खड़ा किया है, जो भारतीय बलों को उस इलाके में गश्त लगाने से रोक रहे हैं। अब चूंकि घोषित तौर पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच आमने-सामने तैनाती की सूरत खत्म हो गई है, इसलिए उसकी राय में बुनियादी मसला हल हो गया है। ऐसे में स्वाभाविक है कि दोनों देश 2020 में संबंधों में आई अड़चनों से आगे निकलने पर सोचें। इसी नजरिए की झलक रियो में हुई वार्ता में मिली।

2047 की ओर संविधान की सक्रिय भूमिका

तीन अर्थशास्त्रियों को राष्ट्र की समृद्धि में संस्थानों के गठन और भूमिका पर उनके अभूतपूर्व शोध कार्य के लिए 2024 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला। भारत में, हमारे संविधान ने भारत की प्रगति की आधारशिला रखते हुए संसद, लोकतंत्र, न्यायपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं को स्वरुप प्रदान किया और उन्हें मजबूत किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020एक परिवर्तनकारी फ्रेमवर्क है, जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को नया स्वरुप प्रदान करना है, ताकि हमारे युवा छात्रों की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके और हमारे देश की प्रगति को साकार किया जा सके। एनईपी 2020 भारतीय संविधान में निहित मूल्यों पर आधारित है, जो शिक्षा में पहुँच, समानता, गुणवत्ता, जवाबदेही और किफायती होने पर जोर देता है। यह संवैधानिक आदर्शों और एक प्रगतिशील, समावेशी, सतत भारत की आकांक्षाओं के बीच एक सेतु है।

एनईपी 2020 समानता और समावेशिता पर जोर देते हुए और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच में असमानताओं को दूर करते हुए, सामाजिक न्याय प्रदान करने के भारतीय संविधान के उद्देश्य को समर्थन प्रदान करता है। एनईपी 2020,हमें अनुच्छेद 46 के अनुरूप अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) सहित सभी वंचित समूहों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है। छात्रवृत्ति और शैक्षिक ऋण का प्रावधान, ज्ञान-प्राप्ति के संयुक्त प्रारूप को बढ़ावा देना, डिजिटल ज्ञान-प्राप्ति पहल, बहु-नामांकन और बहु-बहिर्गमन योजनाएं, डिग्री कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में कौशल शिक्षा की शुरुआत और शिक्षण के माध्यम के रूप में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन आदि उपाय सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने परध्यान केंद्रित करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी छात्र पीछे न छूट जाए।

हाल ही के दो उदाहरण लें, जो उच्च शिक्षा में एनईपी2020 के दृष्टिकोण को सक्षम बनाते हैं ङ्कपहली, एक करोड़ छात्रों के लिए पीएम इंटर्नशिप योजना और दूसरी, पीएम विद्यालक्ष्मी ऋण योजना। ये दोनों योजनाएँ निम्न-आय वर्ग के छात्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं तथा संवैधानिक मूल्यों, यानि समानता, समावेश और आर्थिक सशक्तिकरण (अनुच्छेद 15 और 16) से गहराई से जुड़ी हैं। वे उच्च शिक्षा तक पहुँच को सार्वभौमिक और लोकतांत्रिक बनाती हैं। ये योजनाएँ युवा भारतीयों को उनकी सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि को ध्यान में रखे बिना राष्ट्रीय विकास में भाग लेने के अवसर प्रदान करती हैं - वंचितों के उत्थान के लिए उच्च शिक्षा में ऐसे लक्षित उपाय, भारतीय संविधान के मूल्यों के अनुरूप हैं। निर्देशक सिद्धांत सामाजिक-आर्थिक न्याय, शैक्षिक अवसरों की गारंटी देने और लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने में राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। ये दोनों योजनाएँ, हमारे संविधान के इन सिद्धांतों की व्यावहारिक अभिव्यक्ति हैं।

भारतीय संविधान भाषाई विविधता को रेखांकित करता है और अपने प्रावधानों और नीतियों के माध्यम से भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उन्नति का समर्थन करता है। अनुच्छेद 350ए मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर देता है, ताकि बहुभाषावाद शैक्षिक परिदृश्य में परिलक्षित हो सके। संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 अनुसूचित भाषाओं की सूची शामिल है और अनुच्छेद 29 और 30 के साथ संरेखित करते हुए इन भाषाओं के विकास को आधिकारिक मान्यता दी गई है। उदाहरण के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर 22 भारतीय भाषाओं में 22000 पुस्तकें तैयार करने की परियोजना शुरू की है। यह परियोजना एनईपी2020 में अनुशंसित भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने पर आधारित है और हमारे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप है।

एनईपी2020 का विशेष ध्यान फोकस हमारे छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना है, ताकि उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित किया जा सके और उभरते क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया जा सके। एनईपीकी यह प्राथमिकता सीधे अनुच्छेद 41 के साथ जुड़ी है।

संवैधानिक मूल्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए, एनईपी2020 को लागू करने से भारत के बड़े विकास लक्ष्य हासिल होंगे और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण को गति मिलेगी। पीएम ई-विद्या और दीक्षा, स्वयंप्रभा, स्वयं जैसे डिजिटल पहलों की शुरूआत, जिनमें हज़ारों पाठ्यक्रम और वर्चुअल लैब हैं,से छात्रों को एक साथ दो डिग्री - एक भौतिक प्रारूप में और दूसरा ऑनलाइन प्रारूप में -पूरा करने की सुविधा मिलती है। अकादमिक क्रेडिट बैंक खासकर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के छात्रों को शिक्षा तक समान पहुँच की सुविधा प्रदान करते हैं।

भारतीय संविधान की भावना का पालन करते हुए, एनईपी2020 छात्रों में भाईचारे और एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए समग्र शिक्षा पर जोर देता है तथा उन्हें वैश्विक नागरिक बनने के लिए तैयार करता है। पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली और भारतीय लोकाचार को समाहित करते हुए, एनईपी2020 भारत की समृद्ध विरासत में गर्व और एकता की भावना को बढ़ावा देने की कोशिश करता है।

भारतीय संविधान गतिशील है। उदाहरण के लिए, हमारा संविधान अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन के लिए एक व्यवस्था प्रदान करता है, जो हमारी संसदीय प्रणाली को समय के साथ विकसित होने की सुविधा देता है। उदाहरण के लिए, संसद ने शासन को विकेंद्रीकृत करने और लोकतंत्र को लोगों के करीब लाने के लिए 73वें और 74वें संशोधन पारित किए, जो पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकायों से संबंधित हैं। इसी तरह, संसद द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरूआत, नीति निर्माण में इसकी अनुकूल होने की क्षमता को दर्शाती है। हमारी संसदीय प्रणाली ने सार्थक लैंगिक प्रतिनिधित्व के लिए महिला आरक्षण विधेयक पारित करके अपना प्रगतिशील दृष्टिकोण प्रदर्शित किया। हमारा संविधान नागरिकों की भागीदारी तथा भारत की स्वतंत्र मीडिया व गतिशील न्यायिक प्रणाली समेत मजबूत संस्थाओं के कारण फल-फूल रहा है और सशक्त है। हमारा संविधान भारत के शासन का आधार है और हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक-सभ्यतागत मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है।

उच्च शिक्षण संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम में कर्तव्यों पर पाठों को शामिल करके तथा छात्रों को राष्ट्र के लिए योगदान देने पर गर्व करने के लिए प्रेरित करके छात्रों में उनके संवैधानिक कर्तव्यों की समझ पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। आइए हम अपने संविधान का उत्सव मनाएं और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र तथा एक सामंजस्यपूर्ण वैश्विक शक्ति बनाने के लिए संविधान से प्रेरित होते रहें।

- ममीडाला जगदीश कुमार,
अध्यक्ष, यूजीसी तथा पूर्व कुलपति, जेएनयू
(विचार व्यक्तिगत हैं)

योग की माया निरोगी काया

रोगमुक्त जीवन के लिए योग अद्भुत विधा

योग स्वयं के माध्यम से स्वयं की यात्रा हैद्य अर्वाचीन भारतीय दर्शन शास्त्र की पाठशाला में एक महत्वपूर्ण एवं अद्भुत पाठशाला योग भी हैद्य योग शब्द मूलत: संस्कृत की भाषा से उपजा शब्द है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द %युज,से हुई है इसके दो अर्थ है पहला अर्थ जोड़ना तथा दूसरा बहुत ही वृहद व्यापक शब्द अनुशासन है। योग से उसके अभ्यास के कारण शरीर तथा मस्तिष्क में एक सामंजस्य और संबंध बन जाता है, जिससे मस्तिष्क शांत तथा अनुशासित रहता हैं। यह व्यायाम का ही एक अंग है,जिससे शरीर तथा मन नियंत्रित रह कर जीवन को परिस्थितियों के अनुकूल एवं सफल बनाता है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक प्रकार की यौगिक औषधि है, वह हमारे शरीर के काम करने के तरीकों को धीरे-धीरे बेहतर कर शिथिल अंगों को स्वयं हल्के हल्के ठीक कर देता है।

निरोगी काया श्रेष्ठ जीवन का वरदान होती है। यदि आप निरोगी और स्वस्थ हैं तो आप सफलतम व्यक्ति बन सकते हैं धन लिप्सा आकांक्षा लालच से योग मुक्त कर एक खुशनुमा जीवन जीने की जीजिविषा तथा जुजुस्ता पैदा करता है। योग जीवन की एक कला है जो वर्तमान परिवेश में और भौतिक जगत में अत्यंत प्रासंगिक भी है। योग हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सशक्त माध्यम है हम सबको, आपको लगता है कि आज के आधुनिक जीवन में हमें एक बहुत अस्त व्यस्त तथा मानसिक असंतुलन वाली जीवन शैली मिली है। यह सभी अनियमित भोजन की आदतों, अभाव या अनुचित नींद या लंबे समय तक कठोर श्रम करने के कारण प्राप्त हुई है। नई पीढ़ी के बच्चे, युवा स्वस्थ जीवन शक्ति सार्वजनिक लचीलापन ऊर्जा और रोगों के लिए प्रतिरोधात्मक क्षमता की खोज में लगे हुए है,और सही सहीं माना जाए तो इन सब का जवाब योग अभ्यास में ही है।

योग के आसन प्राणायाम और ध्यान से संयमित शरीर और आत्मा के साथ संतुलित जीवन शैली को प्राप्त किया जा सकता है। और इस जीवन में हम अपने को शक्तिवान,ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। योगाभ्यास के जरिए न केवल बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है बल्कि स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार भी किया जा सकता है। अपने बेडौल शरीर को भी योग अभ्यास के जरिए सही आकार में लाने का यह सर्वाधिक सुरक्षित आसान और कारगर तथा लागत विहीन जरिया है। योग्य के वैसे तो कर्म योग, भक्ति योग,ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग भी अलग-अलग विभेद हैं, पर सभी पांचों योगों के अलग-अलग तरीके तथा अलग-अलग फायदे हैं।

कर्म योग सदैव दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करता है। और इसका मूल्य देश सामाजिक कल्याण यह समाज सेवा ही है। भक्ति योग हमें ईश्वर की साधना कैसे की जाए, यह पाठ पढ़ाता है ।भक्ति योग मनुष्य के अंदर हृदय तथा मस्तिष्क को संतुलित कर एक सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है।भक्ति योग एक प्रकार का मानसिक योग है जिससे मन शांत रहकर सहिष्णुता की उत्पत्ति होती है, यह अहिंसक मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ज्ञान योग बुद्धि के विकास एकाग्रता बढ़ाने तथा समाजिक ज्ञान विज्ञान की प्रेरणा देते एवं अध्ययन मनन में मनुष्य की सहायता करता है। राजयोग सर्वाधिक प्रचलित कथा लोकप्रिय योग है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण विधा है इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार धारणा और ध्यान या समाधि इसमें परम आनंद की प्राप्ति या मोक्ष प्राप्ति की विधाओं के बारे में विस्तृत वर्णन है।

योग का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। पश्चिमी देशों के लोगों का परिचय योग से तब हुआ जब स्वामी विवेकानंद ने अपने शिकागो की यात्रा के समय लोगों को योग के महत्व के बारे में व्यापक रूप से बताया था। इसके बाद पूरे विश्व में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई योग गुरु ने अनथक प्रयास कर योग को विश्वव्यापी फलक पर विराजमान किया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसकी पहल कर 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में अपने भाषण में उल्लेख कर इसे प्रतिपादित किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि योग शारीरिक तथा मानसिक सामंजस्य का अद्भुत सहयोग तथा तरीका है। यह मनुष्य तथा प्रकृति के बीच का एक सामंजस्य स्थापित करने वाला अद्भुत से सेतु है। और तब 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में उसके 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की सहमति देकर इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इस प्रस्ताव को बहुत ही कम समय में मंजूरी प्रदान कर दी गई, जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास की सबसे कम समय में दी गई मंजूरी थी।

योग के वैसे तो अनगिनत फायदे हैं। और हम यह कह सकते हैं कि योगाभ्यास ईश्वर द्वारा मानव सभ्यता को दिया गया अप्रतिम उपहार है। योग किसी चमत्कार से कम नहीं।जिन असाध्य बीमारियों का वर्तमान चिकित्सा पद्धति से इलाज नहीं हो पाता,योग उन बीमारियों को शनै शनै उपचार कर ठीक कर देता है।

यह शारीरिक मानसिक शांति ऊर्जा शक्ति तो देता ही है, साथ में हमें आत्म संयम, आत्मबल तथा आत्मज्ञान से भी रूबरू कराता है। योग बहुत ही आसान व्यायाम है,यह दैनिक क्रियाओं के साथ स्वस्थ शरीर और मन की क्रिया है। नाड़ी शोधन, कपालभाति, शीतली, अनुलोम विलोम जैसी क्रियाओं से शरीर में प्राण वायु की संतुलित मात्रा बढ़ती है, एवं स्नायु तंत्र मजबूत होता है। कोरोना संक्रमण काल मे कपालभाति,अनुलोम विलोम, नाड़ी शोधन शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के कारगर उपायों में गिना जाता रहा है, और इसने मरीजों की बहुत मदद भी की है। योग से रोगों की तीव्रता कम हो जाती है, तथा कई रोगों से छुटकारा भी मिल जाता है।अत: आप सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं स्वस्थ रहें मस्त रहें निरोगी रहें।

- संजीव ठाकुर,चिंतक लेखक,
स्तंभकार रायपुर छत्तीसगढ

आज जख्म फिर हरा हो गया

दूर इतना चले गए हो कि
तुझे हम सब भुला भी नहीं सकते,
हसरत कुछ भी पाल लें लेकिन
अपने पास बुला भी नहीं सकते,
बिल्कुल वहीं परिस्थितियां आज
फिर से देखने को मिल रहा है,
खबर ही ऐसी कि किसी का
चेहरा नहीं खिल रहा है,
तुम्हारा असमय हम सबको छोड़ जाना,
हर तरह से दुनियादारी का रिश्ता तोड़ जाना,
मुझे आज भी अखर रहा है
औषधि के रूप में उसके सेवन की अनुमति देना,
पता ही नहीं था कि ये साबित होगा
अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मार लेना,
नहीं पता था कि एक बार की दवाई को
नित्य की बना लोगे ढिठाई,
लत ले आया ऐसी स्थिति कि
हो गयी दुनिया से तुम्हारी बिदाई,
कहते हैं कि समय के साथ
लोग हर दुख भूल जाते हैं,
अपने हाथों से पाला पोसा भाई
याद आ मुझे कितना तड़पाते हैं,
मना करता था कि
बहुत बुरे हैं तुम्हारे कुछ यार,
खेलते थे तुम्हारी जिंदगी से जता झूठे प्यार,
उसी में से चला गया एक तुम्हारे जैसा,
मंजर लगा फिर से तुम छोड़ जा रहे हो,
माहौल लगने लगा वैसा का वैसा,
देकर हमें तड़प नित सताओगे,
नहीं भूलेंगे तुझे प्रतिक्षण याद आओगे।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़ छग

जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी कांग्रेस?

माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है।

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है।

ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते वोट और पैसा दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं। इसे भी पढ़ें- राहुल गांधी को राजनीति के कुछ सबक सीखने होंगे अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं! वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है।

- कमलेश पांडे

लंबी उम्र की ना दुआ किया करो।

दिल में हर दर्द छुपा लिया करो,
यादों को दिल में बसा लिया करो।
इश्क छुपाना इतना होता नहीं आसां,
मेरा नाम सरेआम बता दिया करो।
हर दर्द की दास्तां है जुदा जुदा,
न कानाफूसी में झुठला दिया करो।
मिलने की खुशियां चंद लम्हों की,
जुदाई के दर्द को दबा लिया करो।
सन्नाटे का शोर क्यों है इतना रातों में,
शोर को खामोशी में छुपा लिया करो।
इश्क में तुम्हारी दुनिया लुट गई मेरी,
लंबी उम्र की ना दुआ किया करो।
पहली नजर में ही मर मिटे संजीव
लंबी उम्र की ना दुआ किया करो ।

संजीव ठाकुर,रायपुर छत्तीसगढ़,

शब्द सामर्थ्य- 437

(धानसिंह साहू)

बाएं से दाएं

1. संपूर्ण, [illegible] (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु [illegible] पकाना 13. भाला 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरंतर, [illegible] 21. [illegible] 24.माला, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, मातहत, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग [illegible]।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. [illegible], जेब काटने वाला 3. समाधान, [illegible] 4. [illegible] 8. [illegible] 11. [illegible] मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, [illegible] आदि का बाहर आना 14. दुर्गंध, बदबू 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक [illegible] 19. [illegible] 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

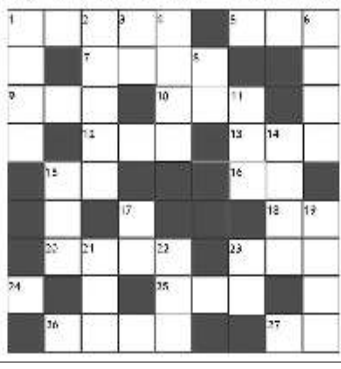

शब्द सामर्थ्य - 436

सू-दोकू क्र. 437

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र. 436 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

अप्रैल-अक्टूबर तक राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के लक्ष्य का 46.5 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली । हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा पूरे साल के लक्ष्य का 46.5 प्रतिशत रहा।

यह सरकार की मजबूत आर्थिक वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.9 प्रतिशत पर लाना है, जो 2023-24 में 5.6 प्रतिशत था।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल मिलाकर राजकोषीय घाटा सरकार के व्यय और राजस्व के बीच का अंतर इस साल अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 7,50,824 करोड़ रुपये था।

2024-25 के पहले सात महीनों के लिए केंद्र सरकार के राजस्व-व्यय के आंकड़ों से पता चला है कि शुद्ध कर राजस्व लगभग 13 लाख करोड़ रुपये और चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 50.5 प्रतिशत था।

सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे को 16.13 लाख करोड़ रुपये पर सीमित रखना है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान 1 अप्रैल से 10 नवंबर तक भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह, जिसमें कॉर्पोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर शामिल हैं, 15.4 प्रतिशत बढ़कर 12.1 लाख करोड़ रुपये हो गया।

2023-24 के केंद्रीय बजट में प्रत्यक्ष संग्रह का लक्ष्य 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था और बाद में संशोधित अनुमान (आरई) में इसे बढ़ाकर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। सीबीडीटी ने कहा कि रिफंड के बाद अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक रहा है।

इसी तरह, आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण जीएसटी संग्रह में भी शानदार वृद्धि हुई है।

कर संग्रह में उछाल से सरकार के खजाने में अधिक धनराशि आती है, जिससे सरकार को आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निवेश में मदद मिलती है।

इससे राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने और अर्थव्यवस्था के आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में भी मदद मिलती है।कम राजकोषीय घाटे का मतलब है कि सरकार को कम उधार लेना पड़ता है, जिससे बैंक के पास बड़ी कंपनियों के लिए उधार लेने और निवेश करने के लिए अधिक पैसा बचता है।

इससे आर्थिक विकास दर बढ़ती है और अधिक नौकरियां पैदा होती हैं। कम राजकोषीय घाटा मुद्रास्फीति दर को भी नियंत्रित रखता है, जिससे अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलती है।

अक्टूबर में भारत का सेवा निर्यात 22.3 प्रतिशत बढ़कर 34.3 अरब डॉलर हो गया : आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, भारत के सेवा निर्यात में लगातार दूसरे महीने अक्टूबर में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। अक्टूबर में देश का सेवा निर्यात सालाना आधार पर 22.3 प्रतिशत बढ़कर 34.3 अरब डॉलर हो गया।

इससे पहले अगस्त में देश का सेवा निर्यात जुलाई के 30.58 अरब डॉलर से घटकर 30.34 अरब डॉलर पर आ गया था। जो कि इससे अगले महीने सितंबर में बढ़कर 32.57 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था।

निर्यात के साथ-साथ अक्टूबर में देश के आयात में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि सालाना आधार पर 27.9 प्रतिशत बढ़कर अब 17.21 अरब डॉलर हो गया है। इससे पहले सितंबर में देश का सेवा आयात 16.50 अरब डॉलर रहा था। भारत का सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 339.62 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 325.33 अरब डॉलर था। पिछले दिनों आई ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत का सेवा निर्यात 2030 तक वस्तु निर्यात से आगे निकल जाएगा। जीटीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया था कि वित्त वर्ष 2030 तक सेवा निर्यात 618.21 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है, जो 613.04 अरब डॉलर के माल निर्यात से अधिक होगा। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि वित्त वर्ष 2019 और वित्त वर्ष 2024 के बीच, 5 वर्षों में सेवा निर्यात 10.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा, जो कि माल निर्यात के 5.8 प्रतिशत सीएजीआर से लगभग दोगुना है। देश का सेवा क्षेत्र मुख्य रूप से आईटी और सॉफ्टवेयर द्वारा संचालित है, इसके अलावा यह क्षेत्र अन्य व्यावसायिक सेवाओं (ओबीएस) द्वारा संचालित है।

जीटीआरआई की इस रिपोर्ट में जानकारी दी गई थी कि 'दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाओं' के तहत सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाओं ने वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल सेवा निर्यात में 190.7 बिलियन डॉलर या 56.2 प्रतिशत का योगदान दिया।

उत्पादन घटने से छोटी इलायची एक माह में 500 रुपए किलो उछली

जयपुर । छोटी इलायची की घरेलू फसल कमजोर होने तथा निर्यात में निरंतर बढ़ोतरी के चलते इसकी कीमतों में जोरदार मजबूती दर्ज की गई है। वर्तमान में स्थानीय किराना मेवा बाजार में गायत्री ब्रांड छोटी इलायची 7 एमएम के भाव 2750 रुपए प्रति किलो पहुंच गए हैं। ज्ञात हो करीब एक माह पहले इसके भाव 2250 रुपए प्रति किलो के आसपास चल रहे थे। व्यापारियों के मुताबकि इस साल छोटी इलायची के उत्पादन में भारी कमी होने के समाचार मिल रहे हैं। नई फसल को आए चार महीने निकल चुके हैं, लेकिन सप्ताह के किसी भी ऑक्शन सेंटर पर इलायची की आवक का दबाव नहीं बन पा रहा है। उधार ग्वाटेमाला में ऊंचे भाव होने से भारतीय इलायची की डिमांड लगातार बनी हुई है। वायदा बाजार में भी छोटी इलायची के भाव मजबूत बोले जा रहे हैं। जानकार बताते हैं कि पिछले सप्ताह वायदा में छोटी इलायची का 2400 रुपए प्रति किलो में व्यापार हुआ था, जो कि अब बढ़कर 2800 रुपए प्रति किलो हो गया है। दूसरी ओर सट्टे में खरीद किए गए सौदों में विवाद भी देखा जा रहा है। इस बीच बड़ी इलायची भी सट्टेबाजी में 50 रुपए उछलकर 1740 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का खेल खत्म, 13वें दिन का कारोबार रहा सबसे कम

अभिनेता विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को भी काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।पिछले कुछ दिनों से फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है और हर गुजरते दिन के साथ फिल्म का कारोबार लगातार घटता जा रहा है।अब द सबारमती रिपोर्ट की कमाई के 13वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, द साबरमती रिपोर्ट ने अपनी रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 85 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.25 करोड़ रुपये हो गया है।द साबरमती रिपोर्ट का निर्देशन रंजन चंदेल ने किया है, वहीं एकता कपूर इस फिल्म की निर्माता हैं।सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद द साबरमती रिपोर्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

द साबरमती रिपोर्ट गुजरात के गोधरा कांड पर आधारित है। 27 फरवरी, 2002 को साबरमती एक्सप्रेस अयोध्या से अहमदाबाद जा रही थी, जिसमें ज्यादातर हिंदू तीर्थयात्री सवार थे।इस ट्रेन के एक कोच में कुछ लोगों ने आग लगा दी थी और इस घटना में 59 लोगों की जान चली गई। इसके चलते पूरे गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे।इस घटना और दंगों को हिंदी और अंग्रेजी मीडिया ने कैसे दिखाया, फिल्म इसी को दिखाती है।

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर का नया गाना जाना हैरान सा जारी, कियारा के अप्सरा लुक ने मचाया गदर

अभिनेता राम चरण पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ बनी है। विनय विद्या राम के बाद यह कियारा और राम चरण के बीच दूसरा सहयोग है।अब निर्माताओं ने गेम चेंजर का नया गाना जाना हैरान सा जारी कर दिया है, जिसे श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल सरस्वतीपुत्र रामजोगय्या शास्त्री ने लिखे हैं। जाना हैरान सा गाने में कियारा को अप्सरा के रुप में दिखाया गया है जिसे देखकर फैंस थोड़े हैरान हुए और सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए. कई लोगों को उनका यह अलग लुक अच्छा लगा वहीं कई लोगों को यह पसंद नहीं आया. इसीलिए सोशल मीडिया पर कियारा के इस लुक को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है. हालांक गाना आज रिलीज होने वाला है जिसके बाद दर्शकों का रिएक्शन देखना दिलचस्प होगा।

250 करोड़ में क्लब में कार्तिक आर्यन की फिल्म की एंट्री, सिंघम अगेन को छोड़ दिया बहुत पीछे

कार्तिक आर्यन का बॉक्स ऑफिस पर जलवा कायम है. अब कार्तिक जो भी फिल्म लेकर आते हैं वो सुपरहिट ही साबित होती है. कार्तिक के सामने बड़े स्टार भी नहीं टिक पा रहे हैं. उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों पर रिलीज हुई थी. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है. भूल भुलैया 3 के साथ अजय देवगन की सिंघम अगेन रिलीज हुई थी. कार्तिक की फिल्म ने अजय को भी पीछे छोड़ दिया है और पहले ही 250 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है.

भूल भुलैया 3 ने क्लैश में बाजी मार ली है. जब सिंघम अगेन का ट्रेलर आया था उसके बाद सभी को लगने लगा था कि इसके आगे कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 टिक नहीं पाएगी. मगर हुआ इसका उल्टा ही है. भूल भुलैया 3 का पलड़ा भारी हो गया है और ये सिंघम अगेन से आगे निकल गई है.

भूल भुलैया 3 को रिलीज हुए 27 दिन हो गए हैं. फिल्म का 27वें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है और ये फिल्म अब दुनियाभर में छा चुकी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक भूल भुलैया 3 ने 27वें दिन करीब 1 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद फिल्म का टोटल कलेक्शन 250.10 करोड़ हो गया है. इसके साथ ही भूल भुलैया 3 250 करोड़ के क्लब में एंट्री कर गई है.

वहीं सिंघम अगेन की बात करें तो इस फिल्म ने सिर्फ 60 लाख का कलेक्शन किया है. अजय देवगन की फिल्म की कमाई अब करोड़ों से लाखों में आ गई है. जिसकी वजह से इसका कलेक्शन ज्यादा नहीं बढ़ पा रहा है. सिंघम अगेन का कलेक्शन अब 242.10 करोड़ हो गया है. इसे 250 करोड़ के क्लब में आने में अभी टाइम लगने वाला है.

खेल

लखनऊ। लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप खेली जा रही है। भारत की शीर्ष वरीय खिलाड़ी पीबी सिंधु महिला एकल के सेमीफाइनल में पहुंच गइ हैं। वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ पीबी सिंधु ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पुरुष एकल में शीर्ष वरीय भारतीय शटलर लक्ष्य सेन और दूसरी वरीय प्रियांशु राजावत भी जीत के साथ अंतिम चार में पहुंच गए हैं। उनके साथ ही पांचवीं वरीय भारत के ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी पुरुष युगल और पिछली उपविजेता भारत की शीर्ष वरीय अश्विनी पोनप्पा व तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी भी अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रही है।

लखनऊ में पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन

सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे, अब उन्नति से होगी सिंधु की टक्कर

वहीं, महिला युगल में बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुकी दूसरी वरीय त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी. भी महिला एकल के सेमीफाइनल में पहुंच गई।

1 करोड़ 80 लाख रुपए की ईनामी राशि के लिए मुकाबला जारी

बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में खेले जा रहे 2,10,000 अमेरिकी डालर की इनामी राशि वाली चैंपियनशिप में लक्ष्य सेन ने भारत के ही माइसनम लुआंग मेरबा के खिलाफ 21-8, 21-19 से आसान जीत दर्ज की। लक्ष्य सेन को दूसरे गेम में थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

उनके खिलाफ प्रतिद्वंदी ने 15 अंक के बाद वापसी की और एक समय ऐसा लगा कि लक्ष्य ये गेम हार जाएंगे, लेकिन लक्ष्य ने अंतिम पलों में बेहतरीन शॉट खेलते हुए आसानी से जीत अपने नाम कर ली। लक्ष्य का अब अगले दौर में जापान के शोगो ओगावा से मुकाबला होगा, जिन्होंने आठवीं वरीय भारत के आयुष शेट्टी को 21-7, 21-14 से हराया।

पीबी सिंधु ने चीन की डाई वांग को हराया

महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की पीवी सिंधु ने चीन की डाई वांग को 21-15, 21-17 से हराया। सिंधु आज के मैच के दोनों सेट में पकड़ बनाए रखीं। विश्व रैंकिंग में 18वीं वरीय पीबी सिंधु ने चीन की 11वीं विश्व रैंकिंग वाली प्रतिद्वंदी के खिलाफ अच्छा खेल दिखाया। पीबी सिंधु की अगले दौर में भारत की उन्नति हुड्डा (ओडिशा ओपन 2022 विजेता) से टक्कर होगी। जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में इशिका जायसवाल को 21-16, 21-9 से हराया। पुरुष एकल में दूसरी वरीय भारत के प्रियांशु राजावत ने वियतनाम के गुयेन हे डांग को 21-13, 21-8 से हराया। प्रियांशु की अब सेमीफाइनल में सिंगापुर के चौथी वरीय जिया हेंग जेसन तेह से टक्कर होगी, जिन्होंने भारत के आर.संजीवी सतीश कुमार को 21-10, 22-20 से हराया।

युगल में भारत के खिलाड़ी सेमीफाइनल में

मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीय भारत के ध्रुव कपिला व तनीषा क्रैस्टो ने मलेशिया के लू बिंग कू व हो ली यी को 21-16, 21-13 से हराया। महिला युगल क्वार्टर फाइनल में ओलंपियन अश्विनी पोनप्पा के साथ उतरी तनीषा क्रैस्टो ने पांचवीं वरीय हमवतन श्रुति मिश्रा व प्रिया कोन्जेंगबम को 21-12, 17-21, 21-16 से हराया।

एक नजर

वियान मुल्डर श्रीलंका के खिलाफ बाकी बचे टेस्ट मैचों से बाहर

डरबन । श्रीलंका के खिलाफ डरबन में चल रहे पहले टेस्ट मैच के बाकी बचे मैच और गेकेबरहा में होने वाले अगले मैच में ऑलराउंडर वियान मुल्डर नहीं खेलेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 5 दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को मुल्डर की जगह टीम में शामिल किया है। 24 वर्षीय मुल्डर ने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

मुल्डर को डरबन में पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते समय लाहिरू कुमारा की 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद हाथ पर लगने के बाद चोट लगी थी। मुल्डर काफी दर्द में थे और दोबारा बल्लेबाजी करने से पहले उन्होंने कुछ समय लिया। लेकिन दर्द में मैदान से बाहर जाने से पहले उन्होंने सिर्फ दो और गेंदें खेलीं।

उसी सत्र में, जब दक्षिण अफ्रीका के नौ विकेट 145 रन पर गिर चुके थे, तब वे दोबारा बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने और कैगिसो रबाडा ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़े, जिसमें मुल्डर ने धनंजय डी सिल्वा की गेंद पर छक्का भी लगाया। इसके बाद लंच ब्रेक के दौरान लिए गए एक्स-रे से पता चला कि चोट कितनी गंभीर है, जिसके कारण अब वे दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे।

6,6,6,6,6...थम नहीं रहा हार्दिक पांड्या का बल्ला, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिर मचाई तबाही

नईदिल्ली । लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट खेल रहे हार्दिक पांड्या अपने बल्ले की धूम से चर्चा में बने हुए हैं. ऐसा कोई गेंदबाज नहीं जो हार्दिक के अटैक के सामने खड़ा हो सके और उन्हें क्रीज पर शांत रख सके. हार्दिक ने लगातार चौथे मचाई में तबाही मचाते हुए अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई है.

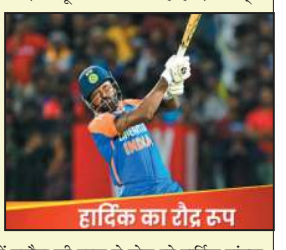

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की तरफ से खेल रहे हार्दिक पांड्या ने त्रिपुरा के खिलाफ हुए मैच में महज 23 गेंद पर 5 छक्के और 3 चौके लगाते हुए 47 रन की धमाकेदार पारी खेली और टीम को 7 विकेट से जीत दिला दी.

हार्दिक पांड्या सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में विस्फोटक फॉर्म में हैं. वे लगातार 4 मैच में दमदार पारियां खेल चुके हैं. वे गुजरात के खिलाफ 35 गेंद में नाबाद 74, उत्तराखंड के खिलाफ 21 गेंद में 41, तमिलनाडु के खिलाफ 30 गेंद में 69 और त्रिपुरा के खिलाफ 23 गेंद में 47 रन बना चुके हैं।

बो वेबस्टर के पास हुनर है, अगर मौका मिला तो वह ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार रहेंगे: कुहनेमैन

नई दिल्ली । मैथ्यू कुहनेमैन का मानना है कि शेफील्ड शील्ड टीम में उनके साथी तस्मानिया के बो वेबस्टर को मौका मौका मिला तो वह आस्ट्रेलिया के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का मौका भुनाएंगे।

मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंताओं के बीच वेबस्टर को भारत के खिलाफ आगामी पिंक-बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। यह अनकैप्ड ऑलराउंडर अगले सप्ताह एडिलेड में टीम से जुड़ेगा।

उन्हें भारत 'ए' के खिलाफ दो मैचों की सीरीज सहित लाल गेंद क्रिकेट में उनके हाल के अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल शेफील्ड शील्ड में 50.50 की औसत से 303 रन बनाए हैं और नौ विकेट भी लिए हैं। कुहनेमन ने एसईएनक्यू ब्रेकफास्ट से कहा, मुझे लगता है कि इस समय बो के पास बेहतरीन हाथ है, बल्ले और गेंद दोनों से ही वह मैदान में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

वह मैदान के बाहर भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए अगर बो को मौका मिलता है, तो मुझे यकीन है कि वह इसे दोनों हाथों से लेंगे और ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया ए के लिए 72.50 की औसत से 145 रन बनाकर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 20 से कम की औसत से सात विकेट भी लिए। कुल मिलाकर, 30 वर्षीय ऑलराउंडर ने अपने करियर में 5000 से ज्यादा प्रथम श्रेणी रन बनाये हैं और करीब 150 प्रथम श्रेणी विकेट लिए हैं।

एमएस धोनी नहीं करेंगे विकेटकीपिंग, सीएसके ऋतुराज गायकवाड़ को कर रही तैयार

नईदिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए सीएसके का स्कवॉड तैयार है. टीम ने ऋ तुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथिशा पाथिराना और एमएस धोनी को रिटेन किया था. वहीं ऑक्शन में सीएसके ने डेवन कॉन्वे, राहुल त्रिपाठी, रचिन रवींद्र, विजय शंकर, सैम करन, नूर अहमद जैसे खिलाड़ियों को खरीद मैनेजमेंट ने टीम को मजबूत बनाने का काम किया है. लेकिन अगले सीजन एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है. अगले सीजन के लिए सीएसके ने अनकैप्ड खिलाड़ी के रुप में एमएस धोनी को रिटेन तो कर लिया है लेकिन धोनी को इंजरी की समस्या बनी रहती है. पिछले 2 साल में हमने धोनी को धुटने की समस्या से जूझते देखा है. ऐसे में अगर उनकी इंजरी ज्यादा गंभीर हुई तो फिर विकेटकीपिंग कौन करेगा ये एक बड़ी समस्या है. सीएसके ने विकेटकीपर के विकल्प के रुप में वंश बेदी को रखा है. वंश फिलहाल घरेलू क्रिकेट का बड़ा नाम नहीं है. इसलिए टीम उन पर रिस्क फिलहाल नहीं ले सकती है. इसलिए अगर किसी अहम मैच के दौरान एमएस धोनी इंजरी के शिकार होते हैं तो फिर उनकी जगह विकेट के पीछे कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दिख सकते हैं. फिलहाल गायकवाड़ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी के साथ साथ विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं. संभव ऐसा करने का इशारा उन्हें सीएसके ने दिया हो. ऋतुराज गायकवाड़ सीएसके के भविष्य हैं. 2020 से टीम से जुड़े इस खिलाड़ी ने टीम मैनेजमेंट और धोनी का भरोसा जीता है. अपने धमाकेदार बल्लेबाजी के दम पर टीम को चैंपियन बनाने में मदद की है।

नई ऊर्जा के साथ कूर्मि समाज बढ़ रहा आगे

पत्रकार वार्ता में समाज प्रमुखों ने दी जानकारी, प्रदेश अध्यक्ष सांसद विजय बघेल होंगे मुख्य अतिथि

भास्कर दूत

बालोद। छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि समाज जिला बालोद के गठन के पश्चात एक दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह रखा गया है। कूर्मि भवन बालोद में आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश कुर्मी छत्तरियां समाज के प्रदेश अध्यक्ष सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

समाज का जिला स्तरीय गठन के पश्चात सभी छह तहसीलों में भी कार्यकारिणी गठन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिला पदाधिकारी सहित तहसील पदाधिकरियों को भी इस अवसर पर शपथ दिलाई जाएगी।

पत्रकार वार्ता में छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि क्षत्रिय समाज के जिला बालोद अध्यक्ष सुरेंद्र देशमुख, संरक्षक गण बृजेश चंद्राकर, छगन देशमुख एवं संजय चंद्राकर, तेजराम देशमुख वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कृष्ण कुमार वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आरके वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, टीकम पिपरिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष, टिकेंद्र हरदेल ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि बालोद जिला में कूर्मि समाज एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश स्तर पर समाज के अध्यक्ष सांसद विजय बघेल हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश के सभी जिलों में जिला पदाधिकारियों के गठन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष विजय बघेल ने बालोद जिला अध्यक्ष के रूप में सुरेंद्र देशमुख को नेतृत्व सौंपा है। उन्हीं के निर्देश पर तहसीलों कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। सभी पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह 1 दिसंबर को कुर्मी भवन बालोद में रखा गया है इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विजय बघेल मौजूद रहेंगे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कूर्मि क्षत्रिय समाज तारा चंद्राकर, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कूर्मि क्षत्रिय समाज योगेश्वर देशमुख उपस्थित रहेंगे। इनके अलावा संरक्षक बृजेश चंद्राकर छगन देशमुख एवं संजय चंद्राकर भी उपस्थित रहेंगे। आयोजन में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र देशमुख, महामंत्री चेमन देशमुख सहित उपाध्यक्ष, सचिव, तहसील अध्यक्ष, सचिव व समस्त कार्यकारणी का शपथ ग्रहण होगा। सुरेंद्र देशमुख ने बताया कि आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि क्षत्रिय समाज जिला बालोद का शपथ ग्रहण आज

जिले के प्रत्येक गांव में निवासरत समाज के लोगों को तहसील इकाई के माध्यम से जोड़ा गया है। इस कार्यक्रम में भी काफी संख्या में समाज के लोग शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि क्षत्रिय समाज जिला बालोद के गठन के बाद समाज के युवाओं सहित सभी वर्गों में बहुत ही उत्साह है। तहसीलों में गठित कार्यकारिणी में युवा, महिला व समाज के वरिष्ठ लोगों को स्थान दिया गया है।

ये पदाधिकारी लेंगे शपथ

वरिष्ट उपाध्यक्ष तेज राम देशमुख, आर के वर्मा राजेश चंद्राकर, कृष्ण कुमार वर्मा, महासचिव चेमन देशमुख , उपाध्यक्ष, टीकम पिपरिया, पुष्पेंद्र चंद्राकर, ललित चंद्राकर, ठाकुर राम चंद्राकर, के के राजू चंद्राकर, पूर्णानंद बेलचंदन, रोशन अमृत, कुलेश्वर अमृत, मनीष देशमुख, गोविंद चंद्राकर, जगदीश देशमुख, कोषाध्यक्ष, ढालेश दिल्हीवार, सह कोषाध्यक्ष राजीव देशमुख, सचिव दामेस्वर देशमुख, सहसचिव सुनिल बेलचंदन, मंत्री मीनेष देशमुख, उगेश देशमुख, पन्ना चंद्राकर, खिलावन वर्मा, ढाकेश चंद्राकर, जिधु देशमुख, रविकांत देशमुख, श्रीकांत वर्मा, विनोद चंद्राकर, मनोज सुकतेल, दानसिंह चंद्राकर, दिलीप देशमुख, मनोज चंद्राकर, सोशल मीडिया प्रभारी शेखर वर्मा, मीडिया प्रभारी हरिवंश देशमुख, तिलक देशमुख आदि हैं।

संक्षिप्त समाचार

न्यायालय परिसर बालोद में ही रहे....शहर भाजपा महिला मोर्चा

बालोद। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल बालोद की महिला मोर्चा ने कल जिले के कलेक्टर से मिलकर बालोद के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जिसमें प्रमुख विषय वर्तमान में एक चल रहे न्यायालय परिसर को बालोद से बाहर सिवनी ले जाने की बात पर सहमत नहीं है और कहा कि बालोद न्यायालय बालोद में ही रहना चाहिए क्योंकि जिला बनने के बाद बालोद शहर जो एक अच्छा स्वरूप नहीं ले सक रहा है जो एक जिला मुख्यालय को लेना चाहिए इसका एक बड़ा कारण है कि बड़े शासकीय कार्यालय शहर से बाहर स्थापित है न्यायालय भी अगर बालोद से बाहर चल जाएगा तो बालोद और पीछे जाएगा और व्यापार की दृष्टि से भी बालोद के व्यापारियों का व्यापार का बहुत नुकसान होगा और भाजपा महिला मोर्चा इससे असहमत है और आपसे हम मांग भी करती है कि हमारी बात को आप उचित जगह पहुंच कर इसका निराकरण करने में हमारी मदद करे। महिला मोर्चा की महामंत्री डॉ मोना दुवानी ने बताया कि हम कल जिला जज से भी मिलकर इस विषय पर अपनी बात को रखेंगे और अपनि पूरी ताकत लगाकर न्यायालय को बालोद में रोकने का पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर शहर महिला मोर्चा के अध्यक्ष हितेश्वरी कौशिक और प्रियंका श्रीवास उपस्थित रही।

भाजपा सरकार किसानों से धान नहीं खरीदने का षडयंत्र कर रही है- विक्रम मंडावी

केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाये गए 117 रु. प्रति क्विं. को 3100 रू. प्रति क्विं. में जोड़ते हुए 3217 रू प्रति क्विं. में धान की खरीदी कर अपने चुनावी वादे को पूरा करे भाजपा सरकार- विक्रम मंडावी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर ने जिला मुख्यालय बीजापुर में प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसानों से धान नहीं खरीदने का षड्यंत्र कर रही है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि प्रदेश की विष्णु देव साय सरकार की नई नीति से स्पष्ट है कि वह किसानों से धान खरीदी कम करना चाहती है विक्रम मंडावी ने कहा कि इस बार 160 लाख मिट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है. इसके लिए 14 नवंबर से 31 जनवरी तक का समय निर्धारित है. शनिवार, रविवार और सरकारी छुट्टियों को घटाकर कुल 47 दिन मिल रहे हैं इसका मतलब यह है कि प्रति दिन सरकार को लगभग साढ़े तीन लाख मिट्रिक टन की खरीदी प्रति दिन करनी होगी, तब जाकर लक्ष्य पूरा होगा। वर्तमान में जिस रफ्तार से धान खरीदी हो रही है उसमें लक्ष्य प्राप्त करना असंभव लग रहा। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि सोसाइटियो को निर्देश है कि एक दिन में अधिकतम 752 क्विंटल यानी 1880 कट्टा धान ही खरीदा जाना है। ऐसे में एक किसान का शेष धान के लिये उसको आगामी दिनों की तारीख दी जा रही है।

सरकार ने यह घोषणा किया है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आयेगा, लेकिन जो लोग 14 नवंबर को धान बेचे थे, उनके खाते के रकम नहीं आया है, जो रकम आ रहा है वह एक मुस्त 3100 नहीं है। सिर्फ 2300 रू. प्रति क्विंटल ही आ रहा है। (जो समर्थन मूल्य है उतना) अनावरी रिपोर्ट गलत बनाया जा रहा जिसके आधार पर मात्र 9 से 12-14 क्विंटल धान खरीदा जा रहा। किसानो से पूरा 21 क्विंटल धान नहीं खरीदा जा रहा है। बीज उत्पादक किसानों से सोसायटी में धान नहीं खरीदा जा रहा। सोसायटी में सूचना चस्पा किया गया है कि बीज उत्पादक किसानों का धान नहीं लिया जायेगा। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में बारदानों को लेकर कहा कि सोसायटी में बारदाना की कमी है किसान परेशान है। सरकार ने कहा है कि 50 प्रतिशत नये 50 प्रतिशत पुराने बारदानों का उपयोग किया जाये। 50 प्रतिशत पुराने बरदाने समितियों में पहुंचे ही नहीं है, जिसके कारण धान खरीदी बाधित हो रही है। आगे उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्रो में टोकन नहीं जारी किया जा रहा है किसान घंटो खड़े रहते है। आनलाईन टोकन सिस्टम के कारण किसानों को 15 दिन बाद का भी टोकन नही मिल रहा है।

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि धान की कीमत का भुगतान 3217 रू. में करे क्योंकि 3100 रू. भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था। केन्द्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रू. बढ़ा दिया है। इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रू. से बढ़ाकर 3217 रू. किया जाये। कांग्रेस के समय भी कांग्रेस ने धान का समर्थन मूल्य 2500 देने का वादा किया था लेकिन समर्थन मूल्य बढ़ने पर कांग्रेस ने 2640 रू. में धान खरीदी किया था। धान उपार्जन की कांग्रेस सरकार की नीति को भाजपा सरकार ने बदल दिया है। नई नीति के अनुसार 72 घंटे में बफ स्टॉक के उठाव की नीति को बदल दिया है। पहले इस प्रावधान के होने से समितियों के पास ये अधिकार होता था कि वे समय सीमा में उठाव न होने पर चुनोती दे सकें। अब जो बदलाव हुआ है उसके बाद बफ स्टॉक के उठाव की कोई सीमा ही नहीं है। धान खरीदी केन्द्रो में जगह की कमी आ रही है।

सफलता की कहानी

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लोगों को मिल रही राहत

हेमंत साहू, भूपेन्द्र साहू, गीता साहू और संजय राखेचा ने व्यक्ति किए अपने विचार

भास्कर दूत

धमतरी। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के नागरिकों को सस्ती और स्थायी ऊर्जा मुहैय्या कराना है। धमतरी जिले के पतंजलि नगर धमतरी निवासी हेमन्त साहू बताते हैं कि उन्होंने योजना का लाभ लेने आवेदन दिया और एक माह में ही उनका सौर पैनल लग गया। पहले जहां एक हजार रुपए बिजली बिल आता था, अब बिलकुल बिजली बिल नहीं पटाना पढ़ रहा। वहीं गीता साहू कहती हैं कि वह योजना के तहत सोलर पैनल लगाने के बाद अपनी स्कूटी भी निश्चिंत होकर चार्ज करतीं हैं। इसी तरह धमतरी के संजय राखेचा, कोलियारी के भूपेन्द्र साहू भी इस योजना से काफ़ी प्रसन्न हैं और प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का धन्यवाद करते हैं कि उनके बिजली बिल का भार कम हुआ। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना सौर पैनलों के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए ऊर्जा उत्पन्न करने पर जोर देती है। इससे न केवल बिजली की कमी को दूर किया जा सकेगा, बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सस्ती बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इस योजना के तहत सौर पैनल इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। योजना का एक अन्य लाभ है कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पहुंच बढ़ाने में मदद करेगी, जिससे वहां की जीवनशैली में सुधार होगा।

रेत माफिया नदी को कर रहा खोखला, हजारों ट्रक अवैध रेत बेच कमा रहे करोड़ो

पंचायत के अधिकार क्षेत्र में तेलंगाना के ठेकेदार के अवैध भंडारण पर प्रशासन ने की कार्रवाई

भास्कर दूत

बीजापुर। अवैध रेत खनन से छत्तीसगढ़- तेलंगाना के बीच नदी को रेत माफिया खोखला करने पर आमादा है। हजारों ट्रक रेत का अवैध उत्खनन करके नदी के मूल स्वरूप को बिगाड़ने में रेत माफिया जुटा हुआ है। तिमेड़, भद्रकाली संगम से शुरू होकर तारलागुडा तक लाखों घनमीटर रेत का उत्खनन बीते कुछ सालों में हुआ है जिसके चलते नदी में आमूलचूल बदलाव देखे गए हैं। तेलंगाना की सीमा से लगे होने के कारण यहां से रेत की तस्करी माफियाओं के लिए आसान और सुगम है जिसकी वजह से तेलंगाना के बड़े रेत माफिया छत्तीसगढ़ के लोगों लोगों को चंद रुपयों का लालच देकर लाखों करोड़ों की लागत में रेत हैदराबाद में बेचकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं।

लगातार मीडिया में अवैध रेत तस्करी की खबरों और बीजापुर विधायक विक्रम मण्डावी के विरोध के बाद अब प्रशासन हरकत में आया है। भोपालपटनम के एसडीएम यशवंत नाग तहसीलदार लक्ष्मण राठिया ने तारलागुडा नदी किनारे अवैध रेत भंडारण कि शिकायत पर एसडीएम नें मौके का मुआयना कर 72 टिप्पर रेत जप्त कर वन विभाग को सौप दिया है। इसके साथ से निजी ज़मीन पर लगभग 30 बड़े साजा, तेंदू, मोयन, सागौन के वृक्षों को काटकर रेत भण्डारन के लिए समतलीकारण किया गया इसका भी पंचनामा तैयार कर विधिवत कार्रवाई की गई है।

तारलागुड़ा वनोपज जाँच नाका, तारलागुड़ा और भद्रकाली थाने में भी कई शिकायतें अवैध ट्रांसपोर्टिंग और रेत चोरी की हो चुकी हैं। बेशकीमती जंगलों में पेड़ों को काटकर माफिया द्वारा सड़क बनाने की खबरों के बाद भी वनविभाग मूकदर्शक बना हुआ है। राजस्व विभाग की कार्रवाई की हैडलाइन जरूर बनती है मगर चंद दिनों में माफिया का खेल दोबारा शुरू हो जाता है। आखिर कठोर कार्रवाई नहीं होने के पीछे ऐसा कौन सा कारण है इसका जवाब अभी मिलना बाकी है।

सीमेंटदुकान संचालक ने प्रशासनिक कार्यों में डाली बाधा तहसीलदार मनेंद्रगढ़ को जड़ा थप्पड़

अतिक्रमण हटाने को लेकर हुआ विवाद, युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

भास्कर दूत

एमसीबी। एमसीबी जिला क्षेत्र अंतर्गत मनेंद्रगढ़ में आज दोपहर करीब 2 बजे राजस्व विभाग, पुलिस सिटी कोतवाली सहित कोटवार की टीम एन.एच 43 में अतिक्रमण हटाने के दौरान सीमेंट,शीट दुकान संचालक एवं तहसीलदार के मध्य विवाद उपज गया और तू.तू मैं होने लगा तत्पश्चात तहसीलदार सहित संयुक्त टीम की उपस्थिति में उक्त दुकानदार की द्वारा अतिक्रमण कर रखा गया नया सीट करीब 70 नग को जेसीबी मशीन माध्यम तहसीलदार द्वारा तोड़वाकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। उक्त संबंध में दुकान संचालक जो थाना जाने अपनी बाईक से निकल गया था ।वह पुन: वापस आया और तहसीलदार से मारपीट तथा जमकर गाली - गलौच किया गया जिसे देखते हुए तत्काल घटना स्थल से पुलिस टीम द्वारा उक्त दुकान संचालक को अपने साथ थाना वाहन से लेकर रवाना हो गई। दरअसल पूरा मामला के संबंध में तहसीलदार ने मिडिया से जानकारी साझा करते हुए बताया कि - प्राथमिक शाला मौहारपारा है। उसकी बाउंड्रीवाल को घेरकर गौशाला एवं शेड का निर्माण कर लिया गया था । तथा दुकान निर्माण करके रखा गया था। उसको हटाने के लिए 2-3 बार नोटिस दी गई थी। और अब तक इन्होंने हटाया नहीं था। उसको संज्ञान में लेते हुए आज पुलिस बल और संयुक्त बल द्वारा उसको हटाया जा रहा है। ताकि जो प्राथमिक शाला है वह क्लियर हो सके । इसके पश्चात तहसीलदार की संयुक्त टीम द्वारा वहीं पास के ही दुकान पर जाकर अतिक्रमण संबंधित समझाईश देने का प्रयास किया गया तभी यह वाक्या घटित हुआ ऐसा बताया जा रहा है। तदुउपरात घटनास्थल के आसपास के कुछ दुकानों पर भी अतिक्रमण कि कार्यवाही जारी रखते हुए समानों को जप्ती की कार्यवाही कर नगर पालिका के ट्रैक्टर वाहन से भरकर जप्त किया गया जिसके कुछ देर बाद शहर के व्यापारी संघ थाना पहुंच एक लिखित आवेदन पत्र सौंप तहसीलदार पर कार्यवाही करने की मांग पर अड़े रहे । व्यापारी संघ का कहना था कि अगर उसने गलत किया है। तो उस सीट को जब्ती की कारवाई किया जाना था न कि तोड़ने की कार्यवाही होनी थी । तत्पश्चात देर शाम गहमागहमी के बीच सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा दुकान संचालक नितिन अग्रवाल के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय पेश किया गया

वहीं उक्त संबंध में सिटी कोतवाली थाना प्रभारी सुनील तिवारी ने मीडिया से जानकारी साझा करते हुए बताया कि -अतिक्रमण हटाने प्रशासनिक अमला, नगर पालिका, पुलिस की टीम गई हुई थी। मौहारपारा के पास अतिक्रमण हटाते समय नितिन अग्रवाल के द्वारा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के साथ हाथ-मुक्का से मारपीट की गई अतिक्रमण हटाने के दौरान उस पर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। और वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसमें शासकीय काम में बाधा पहुंचाना, मारपीट करना, शासकीय कर्मचारी पर हमला करने की धारा 121(1) 132,221,296,351(2),115(2) भारतीय न्याय संहिता का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

रासेयो का ग्राम पाहंदा में सात दिवसीय शिविर का समापन

भास्कर दूत

बलौदा बाजार। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय - दतान(ख), में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंम सेवकों द्वारा ग्राम पाहंदा विकासखण्ड -बलोदाबाजार में कार्यक्रम अधिकारी एवं प्रभारी प्राचार्य चन्द्र कुमार बंछोर भूतपूर्व सैनिक के मार्गदर्शन में सात दिवसीय शिविर का आज समापन हुआ समापन का मुख्य अतिथि बरातु यादव वकील जिला एवं सत्र न्यायालय बलोदाबाजार, अध्यक्ष अमृत देवी यादव, विशेष अतिथि पंच कल्याणी पैंकरा, गांव के जनप्रतिनिधियों के उपस्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंम सेवकों ने नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सात दिवसीय शिविर का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्त समाज, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, पेड़ हैं तो प्रकृति है,जल हैं तो कल है, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारतमिशन पर सात दिवसीय शिविर में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के स्वयंम सेवकों ने प्रचार प्रसार एंव जागरूकता अभियान चलाया जिसका गांव वालों ने खुब प्रशंसा किया गांव वालों ने बच्चों से धुल मिल गये स्वयंम सेवकों ने खुब मेहनत किया संस्था के प्राचार्य चन्द्र कुमार बंछोर भूतपूर्व सैनिक ने भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य दुरस्त गांव में जाकर शासन के योजनाओं का प्रचार करना जिसके तहत् स्वयंम सेवकों ने बढ़-चढ़ काम किया आने वाले साल में भी दूरस्थ गांव में जाकर इसी तरह शिविर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम अधिकारी सभी स्वयंम सेवकों को धन्यवाद दिया एवं गांव के लोगों का अभार व्यक्त किया।

कमजोर और प्रतिभाशाली छात्रों के लिए विशेष पहल

परीक्षा परिणाम सुधार पर रणनीति तैयार

परीक्षा परिणाम सुधार के लिए ब्लू प्रिंट आधारित कार्ययोजनाः कलेक्टर के निर्देश पर आयोजित

भास्कर दूत

कवर्धा । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश में शिक्षा गुणवत्ता के साथ परीक्षा परिणामों में सुधार के निर्देश दिए है। इसी कड़ी में जिले में शैक्षिक गुणवत्ता को मजबूत करने और हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल, रानी दुर्गावती चौक में एक विशेष बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी योगदास साहू की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में चारों विकासखंडों से 128 विषय विशेषज्ञ शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य ब्लू प्रिंट आधारित परीक्षा प्रणाली को लागू करना और छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देकर बेहतर परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करना है। इस कार्यशाला में जिला कार्यालय से सहायक संचालक द्वय एम.के.गुप्ता, यू. आर.चन्द्राकर, सतीश यदु एम.आई.एस., प्रशासक एवं विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी स.लोहरा संतोष भास्कर, कवर्धा संजय जायसवाल, बोडला एस.एल.पन्द्रो? और पण्डरिया महेन्द्र गुप्ता विकासखंड नोडल अधिकारी ने विषय विषय विशेषज्ञयो से आवश्यक चर्चा की।

बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित इस बैठक में माक ड्रिल, अर्धवार्षिक परीक्षा, और प्री-बोर्ड परीक्षा की रणनीति तैयार की गई। अर्धवार्षिक परीक्षा 9 से 16 दिसंबर 2024 और प्री-बोर्ड परीक्षा 16 से 22 जनवरी 2025 तक आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। विशेषज्ञों ने ब्लू प्रिंट आधारित प्रश्न पत्र निर्माण की प्रक्रिया, प्रश्नों के अंक विभाजन, कठिनाई स्तर, और उत्तर लेखन कला के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे छात्रों को प्रश्न पत्र की संरचना और शब्द सीमा के बारे में विस्तृत जानकारी दें।

कमजोर और प्रतिभाशाली छात्रों पर विशेष ध्यान

बैठक में कमजोर छात्रों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कर उपचारात्मक शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी योगदास साहू ने कहा, कमजोर छात्रों को विशेष ध्यान देकर उन्हें मुख्य धारा में लाना हमारी प्राथमिकता है। वहीं, प्रतिभाशाली छात्रों को राज्य की मेरिट सूची में स्थान दिलाने के लिए विशेष मार्गदर्शन सत्र आयोजित करने की रणनीति बनाई गई।

शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण का खाका तैयार

बैठक में यह तय किया गया कि 2 और 3 दिसंबर को विकासखंड स्तर पर चयनित विषय विशेषज्ञों द्वारा शिक्षकों को ब्लू प्रिंट आधारित प्रश्न पत्र निर्माण और परीक्षा संचालन पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दैनिक
भास्कर दूत
हर खबर पर नज़र
दिल में छत्तीसगढ़
रायपुर, रविवार 01 दिसंबर 2024

गैंदाटोला पुलिस की गुंडागर्दी!
युवकों की पिटाई कर छीन लिए 50 हजार रूपए?
दीवानटोला के दो युवकों ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप

भास्कर दूत

[illegible] जिले के गांव-देहात क्षेत्रों में पुलिस की किस तरीके से तानाशाही और मनमानी चल रही है, इसका बड़ा उदाहरण सामने आया है गैंदाटोला क्षेत्र में, जहां पुलिस जवानों ने दो ग्रामीण युवकों को न सिर्फ मारा-पीटा, बल्कि उनके पास रखे नगद ५० हजार रूपए को छीन लिया गया। इन बातों की पुष्टि करता हुआ एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें पीड़ित युवक द्वारा आपबीती सुनाई गई है।

जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दीवानटोला निवासी विकास बांधे व नितेश कुमार ने गैंदाटोला पुलिस पर अपने साथ जबरिया पिटाई कर रकम छीनकर वापस नहीं करने का गंभीर आरोप लगाया है। वीडियो में दिए गए बयान के अनुसार दीवानटोला निवासी दोनों युवक किसी थ्रेशर मालिक के यहां धान मशीन थ्रेशर चालक के रूप में कार्य करते हैं, जो कुछ किसानों से किए गए कार्य की वसूली कर गत बुधवार की रात्रि में नौ से साढ़े नौ बजे के बीच शराब पीने का मूड होने पर महाराष्ट्र ककोड़ी जाते समय ग्राम धरमूटोला के पास गैंदाटोला पुलिस व्दारा सड़क पर कांटेदार झाड़, डाली आदि को रखकर रुकवाया गया। उस दौरान वहां पर पांच-छह पुलिसकर्मी मौजूद थे, जिनके द्वारा मारपीट कर जेब में रखे वसूली के 50,000 रुपए को निकाल लिए और मारपीट कर गैंदाटोला थाना लाया गया, जहां थाना परिसर के भीतर लाकर डंडों से पिटाई की गई। साथ ही पुलिस जवानों द्वारा शराब की तस्करी में फंसाने की बात कहकर डराया गया। इन सबके बाद रात्रि में लगभग ढाई-तीन बजे दोनों युवकों को शराब पीने के आरोप में कार्यवाही कर उन्हें छोड़ दिया गया।

कई सवालों के घेरे में पुलिस?

वायरल वीडियो में छुरिया अस्पताल में उपचाररत युवक की बातों पर गौर करें तो सवाल यही उठाए जा रहे हैं कि जब उन दोनों युवकों को शराब के नशे में धुत होने का प्रकरण बनाया गया है? तो दोनों का डाक्टरी मलाहिजा आखिर क्यों नहीं कराया गया? पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान वास्तव में क्या वे दोनों युवक शराब के नशे में थे? पुलिस जवानों ने युवकों को पकड़कर थाना परिसर में लेकर आए तो क्या उस पूरी कार्यवाही की वीडियोग्राफी कराई गई? जब दोनों युवकों को आधी रात को छोड़ा गया तो किस अधिकारी के संज्ञान में रखकर बगैर डाक्टरी मुलायजा कराए छोड़ दिया गया?

थानेदार की गैरहाजिरी में मनमानी

बताया जाता है कि इस घटनाक्रम के दौरान थाना प्रभारी किसी कार्य से बाहर थे, इसलिए उन्हें इन बातों की जानकारी तत्काल नहीं हो पाई, किंतु इन तमाम बातों से यही बात सामने आ रही है कि थानेदार की गैरहाजिरी में वहां का स्टाफ किस तरीके से मनमानी करता होगा? आम जनता के साथ क्या इसी तरह का दुर्व्यवाहार किया जाता होगा? बहरहाल यह जांच का विषय है कि रात के अंधेरे में हुए इस पूरे घटनाक्रम में शामिल पुलिस जवान आखिर कौन-कौन लोग थे?

पीड़ित युवकों का कहना है कि पुलिस जवानों द्वारा की गई जमकर मारपीट से रात भर दर्द से कराहते रहे और दूसरे दिन छुरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच ईलाज कराने पहुंचे, जहां डाक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। हालांकि डाक्टर को मार का निशान कहीं दिखाई नहीं दिया, किन्तु यह कहना भी गलत नहीं होगा कि अगर रात में युवकों को छोड़ने से पहले पुलिस द्वारा डाक्टरी मुलायजा कराया जाता तो सच्चाई सामने आ भी सकती थी। पता चला है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी दिलीप सिसोदिया द्वारा छुरिया पहुंचकर पीड़ित युवकों से मिलकर पूछताछ कर बयान दर्ज किया गया है। श्री सिसोदिया का कहना है कि पीड़ित युवकों ने घटना के संबंध में आवेदन दिया है, जिसकी जांच की जायेगी।

पुलिस ने नहीं सुनी गुहार, आईजी के निर्देश पर हुई एफआईआर
खैरागढ़ के नामी बिल्डर आर्या पर 420 का मुकादमा दर्ज

खैरागढ़ (भास्कर दूत)। जिले में यह पहला मामला होगा जहा एक रसूखदार बिल्डर के खिलाफ धोखाी का मामला दर्ज हुआ हो. खैराग? निवासी छैलबिहारी तिवारी ने पहले अपना पैसा जमीन में इन्वेस्ट करना चाहा। उसके लिए उन्होंने खैरागढ़ के नामी बिल्डर विकास आर्या से सम्पर्क किया. फिर 13 अगस्त 2020 को जमीन विक्रेता विकास आर्या और क्रेता छैलबिहारी तिवारी के बीच शिविल लाइन खम्हरिया खैराग? स्थित पटवारी हल्का नंबर 31 ब्लाक नंबर 1,प्लाट नंबर 39 में से दो हजार पांच सौ एकसवेयर फिट भूमि का दो गवाहों के मध्य सौदा कर अनुबंध हुआ.

बतादे कि बिल्डर के द्वारा इसके एवज में बाकायदा 13 अगस्त 2020 को स्टेट बैंक चेक क्रमांक 050939 से 2 लाख पचास हजार रूपये का भुगतान हुआ यही नहीं बिल्डर्स के द्वारा अलग-अलग एक-एक लाख रूपये करके कुल 6 लाख रूपये प्राप्त किया जा चूका है. पैसा प्राप्त करने के बाद भी जमीन के रजिस्ट्री के लिए टालमटोल करता रहा , प्रार्थी ने जब परेशान होकर उक्त जमीन का भू अभिलेख निकलवाया तो पता चला कि जिस जमीन के लिए सौदा हुआ है. वह जमीन विकास आर्या के नाम पर है ही नहीं. इस सन्दर्भ में विकास आर्या से लगातर संपर्क किया लेकिन प्रार्थी को केवल आश्वासन के आलावा कुछ नहीं मिला। इस बीच बिल्डर्स विकास आर्या छैलबिहारी तिवारी के आंख में धूल झोकता रहा

दिलचस्प बात यह है कि उक्त मामले को लेकर प्रार्थी छैलबिहारी तिवारी ने 18 जून 2024 को सम्बन्धित खैराग? थाना व पुलिस अधीक्षक को लिखित में शिकायत कर मामले की जाँच कार्यवाही चाहि गई थी. लेकिन खैराग? पुलिस अधीक्षक व खैराग? थान प्रभारी के द्वारा मामले को हल्के में लेकर शिकायत रद्दी के टोकरी में डाल दिया. शिकायतकर्ता के द्वारा शिकायत बाद लगातार एसपी ऑफिस व पुलिस थाना का चक्कर लगाता रहा लेकिन बिल्डर्स के रसू?दाज होने व नेताओ का करीबी होने के कारण शिकायत का कोई असर नहीं हुआ.

पी?ित, थाना व एसपी के पास तभी जाता है जब जयादा परेशान हो जाता है. यहाँ ऐसा है कि पी?ित के आवाज को दबा दिया जाता है. क्या यही न्याय है?. आखिर पी?ित जाये तो जाये कहा?.

जब पी?ित को लगा कि लोकल थाना व एसपी से शिकायत करने से यदि कोई समाधान नहीं हो रहा है तब उन्होंने आईजी को लिखित में शिकायत किया। शिकायत के 15 दिवस के भीतर ही आईजी के माध्यम से खैराग? एसडीओपी को पत्र के द्वारा मामले की जाँच कर एसपी को तत्काल प्रतिवेदन सौपने कहा गया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने दिलाई तीन करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की स्वीकृति

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री तथा विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह लगातार अपने क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के निष्पादन हेतु सतत रूप से सक्रिय रहते हैं, आज उनके प्रयासों से राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024 - 25 के बजट में सम्मिलित सड़क हेतु विभिन्न 11 सड़कों एवं विस्तृत परियोजना के कार्यों हेतु 3 करोड़ 38 लाख 74 हजार रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके तहत बरगा से अष्टगी मंदिर तक 82.74 लाख रुपए, जंगलेश्वर से खैरा तक 71.12 लाख रुपए, मुड़पार से उसरीबोड तक 42.36 लाख रुपए, धामनसरा से कोटराभाटा तक 48.30 लाख रुपए, धनगांव से गातापार तक 60.61 लाख रुपए, इसी तरह से धनगांव से लिटिया 6.73 लाख रुपए, देवादा से धनोद 2.96 लाख रुपए, धर्मापुर से बरगाही के लिए 3.42 लाख रुपए, जोरा तराई से भेडीकला हेतु 8.94 लाख रुपए, सुंदरा पानी टंकी से अं. भाटापारा 7.37 लाख रुपए तथा सुंदरा हाई स्कूल से भेड़ीकला 4.69 लाख रुपए, इस तरह कुल 11 कार्यों हेतु 3 करोड़ 38 लाख 74 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के प्रयासों के हुई है।

नए बस स्टैंड के काम्प्लेक्स में मिला वृद्धा का शव
पुलिस ने जताई हत्या की आशंका

डोंगरगांव (भास्कर दूत)। नगर के नए बस स्टैंड स्थित व्यावसायिक परिसर के पीछे एक वृद्ध महिला का शव मिलने से आज सनसनी फैल गई। महिला का शव जहां मिला वह नये बस स्टैंड परिसर के पीछे एवं बिजली ऑफिस के पीछे का एरिया है, जहां अक्सर अंधेरा पसरा रहता है।

जानकारी के अनुसार नये बस स्टैंड परिसर के पीछे सुबह अचानक से वृद्ध महिला के शव देखे जाने से नगर में हड़कंप मच गया। पास में ही थोक सब्जी मंडी लगती है, जहां सुबह से ही लोगों की आवाजाही रहती है। आज वहीं से गुजर रहे राहगीर द्वारा महिला का शव देख पुलिस को जानकारी दी गयी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों से शव की पहचान भी कराई गई। मृतका के परिजनों को सूचित कर मौके पर पुलिस के साथ डॉग स्काड एवं फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम साथ रही।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मृत महिला का नाम रुखमणि साहू पति भगवान दास साहू उम्र 70 वर्ष निवासी डोंगरगांव है। महिला के सिर पर दाहिने हिस्से में चोंट के निशान है, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या का मामला लग रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चल पाएगा।

आवश्यकता है
नर्सिंग स्टाफ- (2 पोस्ट)
बी.एस.सी. नर्सिंग, ए.एन.एम., जी.एन.एम.
एनआईसीयू स्टाफ- (2 पोस्ट)
2 वर्ष का अनुभव
लैब टेक्नीशियन- 2 पोस्ट
सिक्युरिटी गार्ड- 1 पोस्ट
एम्बुलेंस ड्रायवर- 1 पोस्ट
डी.एन.ए. क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल
एक्सिस बैंक के पास, भदौरिया चौक
राजनांदगांव (छ.ग.)
मो.नं.- 93431-84709

धान कटाई से लेकर बेचने तक अब मौसम का ग्रहण!
बादलों को देख अन्नदाताओं की चिंता बढ़ी

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। जिले में कल तक जो हल्के बादल थे, आज सघन हो गए हैं। बारिश की आशंका को देखते हुए कृषकों की चिंता और बढ़ गई है। अभी बहुत से किसानों की धान की फसल खेतों में पककर तैयार है। किसी की फसल कटकर सूखने के लिए खेतों में ही रखी है तो कोई हार्वेस्टर की प्रतीक्षा में है। किसी की फसल मिंजाई हो जाने के बाद खलिहान में उड़ाकर और अच्छी तरह साफ करने के लिए पड़ी है तो कोई अपनी उपज समिति या उपार्जन केंद्र ले जाने को लेकर चिंता कर रहा है। कुल मिलाकर बरसने को आतुर बादल ने अन्नदाताओं की बीपी हाई कर दिया है।

मौसम विभाग की मानें तो आगामी सोमवार से लेकर बुधवार तक बौछारें पड़ने की संभावना है। वैसे भी दो-तीन दिन पहले तक हवा तेज चलने से किसानों को समझ में आ गया था कि यह बादल छाने का संकेत है, हुआ भी वैसा ही। एक-दो दिन से हल्के बादल देखे जा रहे थे, जो आज सघन हो गए हैंद्ध। किसान हड़बड़ी में अपना काम कर रहे हैं। उन्हें धान कटाई मिंजाई के लिए हार्वेस्टर नहीं मिलने, मजदूर नहीं मिलने से भी बड़ी चिंता सता रही है।

कटाई-मिंजाई आखिरी चरण में

जिला किसान संघ के संयोजक सुदेश टीकम ने बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार जिले धान की कटाई मिसाई अंतिम चरण में है। लगभग 80 प्रतिशत कटाई मिंजाई पूरी हो चुकी है। करीब 20 फीसदी फसल खेत खलिहानों में पड़ी है। वर्षा की संभावना बनी हुई है और वर्षा हो जाती है तो नुकसान होना तय है।

उधर सेवा सहकारी समितियों में किसानों को धान बेचने में अड़चनें आ रही हैं। जिस हिसाब से खरीदी हो रही है, उस हिसाब से समर्थन दर पर धान खरीदी की समय-सीमा बढ़ानी ही पड़ेगी। यह भी लग रहा है कि अनेक सोसायटियों में जाम की स्थिति को देखते हुए धान खरीदी बंद करनी पड़ जाएगी, इसलिए परिवहन व उठाव को बढ़ाना आवश्यक है।

बैंक में कैशियर से ठगी!
काउंटर से उड़ा दिए 19 हजार

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शहर के स्टेशन रोड के समीपस्थ एक निजी बैंक में दो अज्ञात लोगों ने कैशियर को चकमा देकर काउंटर से 19 हजार रुपए पार कर दिए। रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना शुक्रवार को दोपहर में हुई। बैंक प्रबंधन की शिकायत पर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीसीटीवी फुटेज में ठगी करने वाले दो युवकों को मोटरसायकिल से भागते देखा गया है। शुक्रवार को दोपहर में रेल्वे स्टेशन रोड स्थित एक निजी उज्जीवन बैंक के ब्रांच में दो अज्ञात युवक दो सौ रुपए के नए नोट की अदला-बदली करने के लिए कैशियर के पास पहुंचे। इस बीच आरोपियों ने बड़ी चालाकी से कुछ रुपए काउंटर से पार कर दिए। करीब 19 हजार रुपए को आरोपियों ने चकमा देकर उड़ा लिया।

बैंक की महिला कैशियर ने बाद में राशि की गिनती की तो उसे रुपए में हेराफेरी जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई। कोतवाली पुलिस द्वारा दोनों अज्ञात आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

आटो, ई-रिक्शा वाहन चालकों को समझाईश

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय खेस द्वारा आटो/ई-रिक्शा वाहन चालकों की बैठक लेकर समझाईश दी गई। बैठक में आटो संघ अध्यक्ष, डीजल ऑटो संघ रेल्वे स्टेशन एवं अन्य आटो, ई-रिक्शा चालक उपस्थित रहे। सभी को बैठक में समझाईश दी गई कि निर्धारित ऑटो स्टैण्ड में वाहन खड़ा करें और यातायात नियमों/सिग्नल का पालन करें। सवारी को निर्धारित आटो स्टैण्ड से बिठाएं एवं सवारी को बीच रोड पर वाहन खड़ा कर न उतारें। वाहन रोड किनारे कर निर्धारित स्थान पर ही सवारी उतारने कहा गया। सभी ऑटो/ई-रिक्शा चालकों को यातायात पुलिस द्वारा जारी यूनिक नंबर लगाने अनिवार्य किया गया। क्षमता से अधिक सवारी न बिठाने एवं आटो, ई-रिक्शा चलाते समय निर्धारित वर्दी पहनने हेतु समझाईश दिया गया।

तुमड़ीबोड़ क्षेत्र से अपहृत लड़की हैदराबाद में मिली
आरोपी को पुलिस ने पकड़कर भेजा जेल

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। नाबालिक लड़की को भगाकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ ने हैदराबाद से गिरफ्तार कर जेल जेल भेज दिया है। आरोपी अजय कंवर पिता परदेशी कंवर उम्र 22 वर्ष निवासी पुराना करेला, पुलिस चौकी मोहारा थाना डोंगरगढ़ का निवासी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रार्थी ने 19 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति उसकी नाबालिग पोती को अज्ञात व्यक्ति भगाकर ले गया है। रिपोर्ट पर पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ में धारा 137(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए 29 नवंबर को पीड़िता को हैदराबाद की पंचवटी कॉलोनी मनीकोंडा तेंलगाना से आरोपी के कब्जे से बरामद किया गया। प्रकरण में धारा 64(ड), 65(1) बी.एन.एस., 4, 6 पाक्सो एक्ट जोड़कर आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार करने पर उसे आज गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर रिमांड पर जेल भेजा गया।

पीएमओ से भी कार्यवाही नहीं, अब संयंत्र के विरोध में होगा उग्र आंदोलन
जहर उगलते संयंत्रों से क्षेत्रवासी पहले ही परेशान; अब कोपेडीह के स्टील

[illegible] राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमनी क्षेत्र के गांव कोपेडीह में कल्याणी इस्पात संयंत्र ने इस गांव सहित आसपास के गांवों के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र के 15-20 गांव के लोग रसमड़ा के दिनरात जहरीला धुआं उगलते और धूल उड़ाते उद्योगों से पहले ही परेशान हैं। अब इस नए उद्योग की स्थापना ने क्षेत्रवासियों की नींद हराम कर दी है।

जानकारी के अनुसार औद्योगिक बस्ती टेड़ेसरा के पास स्थित ग्राम कोपेडीह समेत आसपास के गांव के लोगों ने पांच अप्रैल 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय, क्षेत्रीय विधायक डॉ. रमन सिंह और तत्कालीन पर्यावरण मंत्री छत्तीसगढ़ मो. अकबर को पत्र लिखकर उक्त स्पंज आयरन फैक्ट्री को स्थापित होने से रोकने की मांग की थी।

इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने पर कोपेडीह और आसपास के गांव अंजोरा, मगरलोटा आदि के लोगों ने एकजुट होकर सड़क की लड़ाई लड़ने का मूड बना लिया है। चिट्ठी में नेताओं व मंत्रियों को गांव वालों को हो रही परेशानी की विस्तार पूर्वक जानकारी देने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने से क्षेत्र के ग्रामीण दुखी हैं। बताया है कि कोपेडीह में उक्त उद्योग स्थापित होने से 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले बहुत से गांव की सेहत पर बुरा असर पड़ेगा। उन ग्रामों में कोपेडीह, मगरलोटा, अंजोरा, मनगटा, रसमड़ा, देवादा, टेड़ेसरा, फूलझर, बिरेझर, नवागांव, सिलोदा, थनौद और खपरी शामिल हैं। पत्र में ग्रामीणों ने यह भी बताया था कि सरपंच ने भूलवश एनओसी दे दी थी और बाद में फिर ग्राम सभा में मेसर्स कल्याणी इस्पात को दिए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र को बहुमत से निरस्त कराया गया था। उक्त सभी नेताओं व मंत्रियों को यह भी बताया गया था कि उक्त संबंध में इसकी जानकारी जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री को दी जा चुकी है। इसके बावजूद इस संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

ग्रामीणों के आंदोलन को कांग्रेस देगी समर्थन

इस संबंध में जिला कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि यह संयंत्र कोपेडीह बस्ती के पास ही स्थापित हो रहा है। इस संयंत्र से कोपेडीह, मगरलोटा और अंजोरा सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इस फैक्ट्री के धूल धुएं से और भी कई गांव की सेहत पर बुरा असर पड़ेगा। अतः ग्रामीणों के इस आंदोलन में जिला कांग्रेस कमेटी पूरा सहयोग करेगी।

हादसों में चार लोगों की अकाल मौत

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शहर सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर हुए हादसों में आज चार लोगों की अकाल मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार लालबाग थाना अंतर्गत सुकुलदैहन के पास ट्रैक्टर और बाइक में हुई भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना की विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है। इसी तरह बसंतपुर थाना अंतर्गत बाकल में मिली अधेड़ का अधजला शव पाया गया है। इसी तरह लखोली-कन्हारपुरी बायपास पर अंडरब्रिज पर अज्ञात मालवाह की ठोकर से एक युवक की मौत हो गई। मृतक का नाम बेदराम पिता विश्राम बंजारे उम्र 30 साल है। वह ग्राम पदुमतरा का निवासी था।

इसी तरह जीई रोड पर आज तड़के हुए हादसे में अज्ञात युवक की मौत हो गई। मृतक की एम्र 30-35 साल होगी। घटना आज सुबह साढ़े चार बजे जीईरोड स्थित तुलसी विहार जलाराम होटल के पास हुई। मेडिकल कालेज अस्पताल से मिली सूचना पर कोतवाली पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। मृतक के शव को शिनाख्ति के लिए अस्पताल के मर्च्युरी में रखवाया गया है। मृतक की तस्वीर इस खबर के प्रकाशित है। अज्ञात मृतक के बारे में जिस किसी को कोई जानकारी मिलने पर कोतवाली थाने में सूचना दे सकते हैं।

पाठक सूचना
भास्कर दूत
राजनांदगांव जिले में समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो अथवा भास्कर दूत की प्रतियों, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें-
75878-52022
87700-45100

प्रिसिशन इंजी वर्क्स
स्टील अलमारी, स्ट्रोंग रूम गेट
सभी तरह के फेब्रीकेशन वर्क किया जाता है।
पता- इण्डस्ट्रियल एरिया, जीई रोड, राजनांदगांव
मो. 94060-11669

दैनिक भास्कर दूत
हर ख़बर पर नज़र
दिल में छत्तीसगढ़
रायपुर, रविवार 01 दिसंबर 2024

राज्य के चार शहरों में चलेंगी ई-बसें

नागरिकों को मिलेगी इको-फ्रेंडली, किफायती, भरोसेमंद और सुगम परिवहन की सुविधाः मुख्यमंत्री

भास्कर दूत

रायपुर / छत्तीसगढ़ के चार शहरों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और कोरबा में नागरिकों को जल्द ही इको-फ्रेंडली, किफायती, भरोसेमंद और सुगम परिवहन की सुविधा मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत इन चारों शहरों में कुल 240 ई-बसें संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत रायपुर के लिए 100, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई के लिए 50-50 तथा कोरबा के लिए 40 ई-बसों की स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य स्तर पर इसके लिए सुडा को नोडल एजेंसी तथा संबंधित जिलों में गठित अरबन पब्लिक सर्विस सोसाइटी को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि ई-बस सेवा प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ के शहरों में कम कार्बन उत्सर्जन से वायु गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण का संरक्षण होगा। कम ऊर्जा खपत और बेहतर ईंधन दक्षता के साथ ही नागरिकों को आरामदायक आवागमन की सुविधा सुलभ होगी। इसे शहरों में मेट्रो के विकल्प या उसके सहयोगी साधन के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि लोगों को किफायती, भरोसेमंद और सुगम परिवहन की सुविधा मिले। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन के ढांचे को दुरुस्त करने केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना प्रारंभ की गई है। सार्वजनिक परिवहन की इस अभिनव योजना में केंद्र सरकार द्वारा शहरों को बसों की खरीद तथा उनके संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसका एक बड़ा हिस्सा शहरों में बस डिपो एवं बीटीएम पॉवर इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी अधोसंरचना विकास के लिए भी खर्च किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत तीन तरह की बसें स्टैंडर्ड, मीडियम और मिनी चलाई जाएंगी। शहरों की जनसंख्या के आधार पर बसों की संख्या निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन ने सड़कों पर इन ई-बसों को उतारने की तैयारियां तेज करते हुए चारों शहरों में बस डिपो और बीटीएम पॉवर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए कुल 67 करोड़ 40 लाख रुपए मंजूर करते हुए निविदा आमंत्रण की भी अनुमति दे दी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण ने चारों शहरों में ई-बस सेवा के संचालन के लिए अलग-अलग गठित अरबन पब्लिक सर्विस सोसाइटी को इन दोनों कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करते हुए निविदा आमंत्रित करने कहा है। सुडा द्वारा रायपुर में बस सेवा प्रारंभ करने के लिए बस डिपो के सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर हेतु रायपुर अरबन पब्लिक सर्विस सोसाइटी को 14 करोड़ 33 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए आवेदन 02 जनवरी तक

भास्कर दूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के बच्चों को दिये जाने वाले राज्य वीरता पुरस्कार के लिए 2 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। किसी घटना विशेष में उनके अदम्य साहस के लिए प्रत्येक वर्ष पांच बालक-बालिकाओं को राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसके तहत पांच बालक-बालिकाओं को 25-25 हजार रुपए व प्रशस्ति पत्र पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। आवेदक जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग में 2 जनवरी 2025 तक आवेदन जमा कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए बालक-बालिका की आयु घटना दिनांक को अधिकतम 18 वर्ष तक होनी चाहिए। वीरता कार्य 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के मध्य की होनी चाहिए। आवेदक छत्तीसगढ़ का निवासी होना चाहिए। यह पुरस्कार किसी भी बालक बालिका को केवल एक ही बार प्राप्त हो सकेगा। प्रविष्टियों में बालक या बालिकाओं का पूर्ण परिचय बालक-बालिकाओं द्वारा किसी घटना विशेष में अदम्य साहस, शौर्य एवं बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में किये गये कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी उल्लेखित हो। आवेदक को यह प्रमाण पत्र भी संलग्न करना होगा कि उपलब्धि वास्तविक तथ्यों पर आधारित है। साथ ही समाचार पत्र-पत्रिका की कतरन ,पुलिस डायरी जिसमें घटना का विवरण दर्शित हो साथ ही सक्षम प्राधिकारी द्वारा सत्यापित बालक-बालिका के दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ संलग्न करना होगा। कार्य घटना का विस्तृत विवरण (सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित) अन्य सुसंगत दस्तावेज, जमा करना होगा।

गौठान में 10 गायों की मौत

चारा कुट्टी की व्यवस्था नहीं होने से कई मवेशी बीमार

भास्कर दूत

भिलाई। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार की फ्लैगशिप गौठान योजना अब बदहाल हो चुका है। मवेशियों की देखभाल करने के लिए पिछली सरकार ने प्रदेश के 10 हजार स्थानों पर गौठान बनाए थे। इनका जिम्मा उस इलाके के लोगों को ही एक समिति बनाकर दिया गया था। गौठान योजना पर कांग्रेस सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन अब गौठान बदहाल हो चुके हैं। गौठान में गायों का संवर्धन तो नहीं बल्कि अब कब्रगाह बन गए हैं। जबकि वर्तमान ने दावा किया था सब कुछ ठीक है।गायों की मौत का यह मामला दुर्ग जिले के गौठानों से जुड़ा है। भिलाई के सुपेला के कोसानाला और वहीं राजनांदगांव बायपास में डी-मार्ट के सामने बनाए गए गौठानों में 10 मवेशियों की मौत हो गई। इन मवेशियों की मौत भूख और प्यास से हो गई। वहीं कई मवेशियों की स्थिति बहुत खराब है। पैरा, चारा-कुट्टी की व्यवस्था नहीं होने से कई मवेशी बीमार भी है। वहीं जिला प्रशासन और गौठान समिति अब पूरे मामले पर लीपापोती करने में लगे हुए हैं।

गौठान में न चारा है और न ही पानी

कांग्रेस शासन में ड्रीम प्रोजेक्ट रहे गौठान सरकार बदलने के बाद बदहाल हो चुके हैं। गौठान में न चारा है और न ही पानी। गोठान अब खाली ही दिखाई देते हैं। किसी गोठान में आवारा मवेशियों को रखा गया है तो उनके लिए भोजन की व्यवस्था नहीं है। कोसानाला और बायपास के गौठान में मवेशियों की मरने की वजह भी भूख और बीमारी है। 10 गायों की मौत हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और स्थानीय निकाय को सूचना भेजी, लेकिन कोई भी नहीं आया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि गोठान सिर्फ नाम मात्र का रह गया है। कमाई होते तक काम चला अब बंद है।

हमारी जिम्मेदारी खत्म, नए ठेकेदार ने काम संभाला

कोसानाला गोठान समिति की पूर्व अध्यक्ष रेखा बघेल ने बताया कि गोठान में गायों की मौत हुई है। अब हमारी जिम्मेदारी खत्म हो गई है। नए ठेकेदार ने काम संभाला है, अब वही इसे देख रहे हैं। गायों की मौत झिल्ली (प्लास्टिक की थैली) खाने से हुई है, ऐसा बताया जा रहा है। पिछली सरकार के समय तक गोठान में व्यवस्था बहुत अच्छी थी।

हमने तीन पहले ही काम संभाला, सब ठीक कर लेंगे

कोसानाला गौठान के नए प्रबंधक सोमू साहू ने बताया हमने अभी तीन दिन पहले काम संभाला है। जल्द ही सब कुछ ठीक कर लेंगे। ऐसा लगता है कि जिन गायों की मौत हुई है, उन्होंने बहुत ज्यादा झिल्ली का सेवन किया है। चिकित्सकीय जांच के बाद ही गायों की मौत की सही वजह पती चलेगी। गायों को चारा-पानी दिया जा रहा है।

गरियाबंद में भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती और युवक-युवती परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन

शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और युवक-युवती परिचय सम्मेलन

भास्कर दूत

गरियाबंद। गांधी मैदान में भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती और युवक-युवती परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ कलार समाज जिला के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में समाज के हजारों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधायक रोहित साहू मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रदेश अध्यक्ष युवराज सिन्हा, महामंत्री रिंखि राम सिन्हा और कोषाध्यक्ष बिसम्भर सिन्हा अध्यक्षता जिला कलार समाज अध्यक्ष अवध सिन्हा ने की, सहित समाज के कई वरिष्ठ प्रदेश व जिला के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शोभा यात्रा रही मुख्य आकर्षण

गांधी मैदान से निकली शोभायात्रा तिरंगा चौक सुभाष चौक से शिव मंदिर से गांधी मैदान में शोभायात्रा का स्वागत पार्षद वंशगोपाल सिन्हा के परिवार ने आतिशबाजी एवं पुष्पवर्षा कर किया शोभायात्रा गांधी मैदान में समापन कर

जहां भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की पूजा-अर्चना और आरती संपन्न हुई। इसके बाद मंचीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें जिला व प्रदेश भर से आये 80 से अधिक विवाह योग्य युवक-युवतियों परिचय कराया गया । जागेश्वरी सिन्हा ने मर्मस्पर्शी गीत प्रस्तुत किया, जिसे खूब सराहा गया और उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप 5,000 रुपये की राशि दी गई।

सार समाचार

छात्रों को शीघ्र पासपोर्ट सुविधा

सांसद बृजमोहन ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

रायपुर/ नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के छात्रों को शीघ्र और सुलभ पासपोर्ट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। श्री अग्रवाल ने केंद्रीय विदेश मंत्री से राज्य में पासपोर्ट सेवा केंद्रों की वर्तमान स्थिति और लंबित मामलों की जानकारी मांगी थी। इस पर विदेश राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि कोई भी छात्र तत्काल श्रेणी में अतिरिक्त शुल्क देकर शीघ्र पासपोर्ट प्राप्त कर सकता है। इसके साथ ही, उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में 2014 से 2024 के बीच कुल 10 पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) खोले जा चुके हैं, जिनमें महासमुंद को छोड़कर सभी लोकसभा क्षेत्रों में एक-एक केंद्र कार्यरत है। श्री अग्रवाल ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि सरकार ने पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया को सरल और उदार बनाते हुए यह सुविधा दी है कि आवेदक देश के किसी भी क्षेत्र से पासपोर्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, एमपासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप के माध्यम से भी आवेदन प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। देशभर में पासपोर्ट सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान में 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) और 442 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2024-25 के लिए पासपोर्ट संबंधी गतिविधियों के लिए 924 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की गई है। जानकारी के मुताबिक रायपुर पासपोर्ट कार्यालय में वर्तमान में 1,929 पासपोर्ट मामले लंबित हैं। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस पहल को राज्य के छात्रों और नागरिकों के लिए बड़ी राहत करार देते हुए विश्वास जताया कि शीघ्र पासपोर्ट सेवा से छत्तीसगढ़ के युवाओं को विदेश जाने के अवसरों में तेजी आएगी।

एक करोड़ की लागत से होगा पीएचसी का रिनोवेशन

तीन महीनों में काम पूरा करने के निर्देश

रायपुर। बिलासपुर जिले के सीपत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (क्काष्ट) का लगभग एक करोड़ रुपए की लागत से रिनोवेशन किया जाएगा। विभिन्न योजनाओं के कन्वर्जेंस से यह राशि जुटाई जाएगी। बिलासपुर के कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने आज अस्पताल भवन एवं परिसर का निरीक्षण कर डॉक्टरों और इंजीनियरों के साथ बैठकर रिनोवेशन की कार्ययोजना बनाई। उन्होंने सीजीएमएससी (छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन) और आरईएस (ग्रामीण यांत्रिकी सेवा) के अधिकारियों को अगले तीन महीनों में रिनोवेशन का काम पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल श्रीवास्तव, पीएचसी की प्रभारी डॉ. आकांक्षा दुबे और डीपीएम सुश्री पीयूली मजूमदार सहित आरईएस और सीजीएमएससी के अधिकारी भी इस दौरान मौजूद थे। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने अस्पताल परिसर में बने शासकीय आवास गृहों में रहने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की समस्याएं सुनी और रिनोवेशन की कार्ययोजना में इसे भी शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने इलाज कराने आए मरीजों से मुलाकात कर अस्पताल की व्यवस्था के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने महिला वार्ड का भ्रमण कर प्रसव की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। श्री शरण ने बढ़ते ठंड को देखते हुए जिले के सभी अस्पतालों में तीन दिनों में मरीजों के लिए कंबल की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने मुख्यालय में रहने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की प्रशंसा करते हुए उनके आवास की मरम्मत और पेयजल की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में सिम्स के खाली पड़े दो छात्रावासों का उपयोग मेडिकल वार्ड के रूप में करने की अनुमति प्रदान की।

कोरबा के जंगल में मिली पति-पत्नी की लाश, 15 दिन पुराना है शव, इलाके में फैली सनसनी

कोरबा. जिले के जंगल में पति-पत्नी की सड़ी गली लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है. ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची मौके पर पहुंची और दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. यह मामला कटघोरा थाना क्षेत्र के ग्राम गुरुमुडा का है. बताया जा रहा कि लाश 15 दिन पुरानी है. मृतक पति-पत्नी ग्राम पंचायत तिलईडांड़ के पंडरीपानी कोरबा के निवासी हैं. दोनों दशगात्र में शामिल होने ग्राम घरीपखना आए थे।

छत्तीसगढ़ में छाए बादल

तीन दिन बारिश और कोहरे के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सरगुजा संभाग के जिलों में तापमान न्यूनतम करीब सात से आठ डिग्री के आसपास बना हुआ है। इसी बीच अब प्रदेश में फिर से मौसम में बदलाव होने वाला है। आज से प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात फेंगल के असर से अब छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक बारिश और घने कोहरे की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने कहा है कि इस चक्रवात के कारण राज्य के कुछ हिस्सों में तेज बारिश और कूलिंग के साथ ठंड बढ़ सकती है।

छुरा ब्लॉक पत्रकार संघ चुनाव में नरेंद्र तिवारी बने अध्यक्ष, परमेश्वर राजपूत और कुलेश्वर सिन्हा बने उपाध्यक्ष

गरियाबंद(भास्कर दूत) । छुरा ब्लॉक पत्रकार संगठन का चुनाव स्थानीय विश्राम गृह में रखा गया था, क्षेत्र के बीस पत्रकार साथी उपस्थित थे, अध्यक्ष पद के लिए तीन दावेदार नरेंद्र तिवारी, यशवंत यादव, देवसिंह रात्रे थे,तीन दावेदार होने के कारण मतदान पक्रिया के तहत मतदान किया गया नरेंद्र तिवारी को चौदह मत मिला, एक को पांच मत एवं एक को एक मत मिला, नरेंद्र तिवारी को बहुमत के अधार पर अध्यक्ष बनाया गया। वहीं संरक्षक अशोक दीक्षित, दिलीप बघेल, सलाहकार अब्दुल समद खान रिजवी, संतोष जैन,उपाध्यक्ष परमेश्वर राजपूत, कुलेश्वर सिन्हा, महासचिव परमेश्वर यादव, सचिव तेज राम ध्रुव, कोषाध्यक्ष प्रकाश यादव ईमरान मेमन, सह सचिव अविनाश पाण्डेय, कुमारी यामिनी चन्द्राकर, मिडिया प्रभारी विकास ध्रुव, किशन सिन्हा, कार्यकारणी सदस्य यशवंत यादव, परस सिन्हा, भूपेंद्र सिन्हा, उज्वल जैन, भूपेंद्र गिरी गोस्वामी, देवसिंह रात्रे, मानसिंह निषाद, मेष नंदन पाण्डेय , भूपेंद्र सिन्हा को मनोनीत किया गया।

कुरूद के रामपुर में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में मिले अधिकांश आवेदनों का किया गया मौके पर निराकरण

कृषि विभाग द्वारा किसानों को खेतों में पराली नहीं जलाने की गई अपील

धमतरी। शासन की मंशानुरूप आमजनो को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने और विभागीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जिले में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिवरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज कुरूद विकासखंड के ग्राम पंचायत रामपुर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर जिला स्तरीय अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अपर कलेक्टर श्री जी आर मरकाम, एस डी एम कुरूद श्री मंडावी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

दुष्कर्म का आरोपी मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

पुलिस के डर से दुबई भागने की थी कोशिश

बिलासपुर। बिलासपुर में दुष्कर्म के आरोपी को मुंबई एयरपोर्ट पर दबोचा है। पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी दुबई भागने की फिराक में था। दरअसल सरकंडा क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले युवक दुबई भागने की तैयारी में था। जिसे एयरपोर्ट से मोपका चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बड़ा पांडा थाना जिला गंजाम उडीसा निवासी युवक का सरकंडा क्षेत्र के रहने वाली युवती से मोबाइल पर जान पहचान हुई थी। 15 अप्रैल 2022 को युवक बिलासपुर आया और मोपका स्थित निजी होटल में उसे मिलने बुलाया। जहां उससे बातचीत कर प्रलोभन में लेकर शादी का झांसा दिया। आरोप है कि जबरदस्ती उससे शारीरिक संबंध बनाए। जिस पर पीड़िता ने थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत जुर्म दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। थाने में जुर्म दर्ज होने की जानकारी लगने पर आरोपी युवक युवती से फोन पर खुद की गिरफ्तारी के डर से

विशाखापट्टनम से मुंबई जाने के लिए कहा और वहां से दुबई जाने की बात कही। पीड़िता ने इस पूरे मामले को पुलिस को बताया। तब एसपी रजनेश सिंह ने मोपका चौकी पुलिस को तत्काल आरोपी को गिरफ्तार करने निर्देश दिए। इसके बाद चौकी प्रभारी एससाई राम नरेश यादव और कांस्टेबल दीपक खांडेकर मुंबई गए। जहां आरोपी छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मिला। उसे पड़कर बिलासपुर लाया गया। कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में उठाया पीएम स्वनिधि योजना का मुद्दा

छत्तीसगढ़ में योजना के 1.25 करोड़ लाभार्थियों को मिले 181.82 करोड़ रुपए

भास्कर दूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पीएम स्वनिधि योजना से पटरी दुकानदारों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है। यह कहना है कि सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल का जिन्होंने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भरता निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के प्रभाव और प्रगति को लेकर लोकसभा में अतारांकित प्रश्न के माध्यम से आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से जानकारी मांगी थी। जिसपर विभागीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने जानकारी दी कि यह योजना राज्य के पटरी दुकानदारों के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ाने का माध्यम बन रही है।

मंत्रालय से मिली जानकारी को साझा करते हुए श्री अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पीएम स्वनिधि योजना के तहत अब तक 87,565 लाभार्थियों को प्रथम ऋण के तहत 87.04 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई है। इसके साथ ही, प्रथम, द्वितीय और तृतीय ऋण के तहत कुल 1,25,267 लाभार्थियों को 181.82 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। इस योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के पटरी दुकानदारों को न केवल आर्थिक सहायता मिली है, बल्कि उनकी आजीविका सुदृढ़ हुई है और आत्मनिर्भरता को बल मिला है। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना छोटे व्यापारियों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें आर्थिक मजबूती प्रदान करने में मील का पत्थर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई यह योजना छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहन देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सर्व ब्राह्मण समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन की तैयारी बैठक संपन्न

भास्कर दूत

रायपुर. वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 1 दिसम्बर, रविवार को प्रात: 11 बजे से श्री दूधाधारी सत्संग भवन, रायपुर में होने वाले सर्व ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन की तैयारी बैठक श्री जगन्नाथ मंदिर, टूरी हटरी, पुरानी बस्ती में सम्पन्न हुई.

बैठक में अब तक आये लगभग 350 पंजीयन और प्राप्त हो रहे नवीन पंजीयन, अतिथि स्वागत, मिलन-2024 स्मारिका विमोचन, युवक-युवतियों का परिचय, भोजन व्यवस्था आदि विषयों पर चर्चा कर कार्यभार तय किया गया. ज्ञात हो कि सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी, नपानि सभापति श्री प्रमोद दुबे जी, नपानि लोनिवि अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा जी, भाजपा पार्षद दल प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे जी, समाजसेवी श्री राजीव वोरा जी ने आतिथ्य हेतु अपनी सहमति प्रदान कर चुके हैं.

आज की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा, कार्यक्रम संयोजक नितिन कुमार झा, स्मारिका सम्पादक रज्जन अग्निहोत्री, राष्ट्रीय सचिव सुरेश मिश्रा, प्रदेश महासचिव अजय अवस्थी, महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा, मिथिलेश रिछारिया, विद्या भट्ट, बबीता मिश्रा, सुमन पाण्डेय, प्रीति मिश्रा, सतीश शर्मा, राघवेन्द्र पाठक, उमेश शर्मा, रवि शर्मा, वीणा मिश्रा, सुरभि शर्मा, कल्पना मिश्रा, अनिता राव सहित काफी संख्या में विप्रजन उपस्थित थे.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक- **दुष्यन्त दास** द्वारा 602, अशोका रत्न, ब्लॉक नं. 14, 6th फ्लोर शंकर नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एन्ड पब्लिशर्स, अनंत विहार कॉलोनी, दलदल सिवनी मार्ग , मोवा-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित । मो. 9406242401, (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा)। Email- bhaskardootraipur1@gmail.com